फरीदाबाद की आवाज़

Email : faridabadkiawaz@gmail.com

RNI No. -DELHIN/2017/76338

वर्ष : 08 अंक : 30 दिल्ली से प्रकाशित सोमवार 30 जून-6 जुलाई 2025

Website : faridabadkiawaz.com

मूल्य : 5/- रु. पृष्ठ : 8

देश की आवाज़

योगी ने जनता दर्शन में सुनीं 200 लोगों की समस्याएं, निस्तारण के दिए निर्देश

एजेंसी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन कर 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने नन्ही बिटिया के इलाज में मदद तथा आवास की व्यवस्था करने की गुहार के साथ बिटिया को गोद में लेकर बैठी महिला को भरोसा दिया कि बच्ची का अच्छे से अच्छा इलाज सरकार कराएगी। महिला और उसके परिवार के लिए आवास की भी व्यवस्था कराई जाएगी। इसे लेकर योगी ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित भी किया।

जनता दर्शन में आए लोगों की समस्याएं सुनते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि वे हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएंगे। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे जन समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक.एक कर उनकी समस्याओं को सुना। ध्यान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए और निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने आवास के लिए जरूरतमंद लोगों को सरकारी योजना से मकान दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के

इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता देने का आत्मीय संबल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए संकल्पित है। लोगों से मुलाकात के क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोद में बीमार बच्ची को लेकर कुर्सी पर बैठी महिला की समस्या सुनकर अत्यंत भावुक हो गए। महिला बच्ची के इलाज और आवास की समस्या लेकर आई थी। योगी ने उसे आश्वस्त किया कि दोनों समस्याओं इलाज और आवास की व्यवस्थाए का समाधान सरकार कराएगी। इस दौरान वह मां की गोद में बैठी बच्ची को खूब दुलारते भी रहे।

जनता दर्शन में कुछ अन्य लोग भी इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं,प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्धकराएगी। अपराध व जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस को अपराधियों व भू माफिया के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का निर्देश दिया। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खूब दुलारा और आशीर्वाद दिया साथ ही उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए चॉकलेट भी दी।

शेफाली जरीवाला का निधन : पति पराग त्यागी समेत 4 लोगों के बयान दर्ज

एजेंसी

मुंबई । मुंबई में अभिनेत्री शेफाली जरीवाला की अचानक मौत के मामले में जांच तेज हो गई है। जुहू पुलिस स्टेशन के अधिकारी कूपर अस्पताल पहुंचे हैं और वहां सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं। पुलिस ने शेफाली के पति पराग त्यागी का बयान उनके घर पर दर्ज किया है। अब तक इस मामले में कुल चार लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं।

शेफाली जरीवाला के रिश्तेदार भी कूपर अस्पताल पहुंच चुके हैं, जहां उनका शव पोस्टमार्टम के लिए रखा गया है। वहां उनके करीबी दोस्त और फिटनेस ट्रेनर भी मौजूद हैं। फिटनेस ट्रेनर ने बताया कि शेफाली अपने स्वास्थ्य को लेकर बहुत अनुशासित थीं। उन्होंने कहा, वो अपने खानपान का अच्छे से ध्यान रखती थीं। नियमित व्यायाम करती और फिटनेस को प्राथमिकता देती थीं। शेफाली मिर्गी के दौरे को नियंत्रित करने के लिए ठंडी चीजों से परहेज करती थीं और अपने उपचार की दिनचर्या का कड़ाई से पालन करती थीं। ट्रेनर ने बताया कि शेफाली से उनकी आखिरी मुलाकात दो दिन पहले हुई थी।हालांकि जिस तरह मुंबई पुलिस इस घटनाक्रम की जांच को आगे बढ़ा रही है, उससे मामला संदेहास्पद लग रहा है। पति पराग त्यागी के अलावा पुलिस ने रात में ही मेड और कुक से पूछताछ की थी। शनिवार सुबह मुंबई पुलिस के साथ फॉरेंसिक टीम भी अभिनेत्री के घर गई, जिसने काफी समय तक जांच की। 42 वर्षीय अभिनेत्री शेफाली का देर रात निधन हुआ। शुरुआत में सामने आया कि शेफाली की मौत कार्डियक अटैक के चलते हुई है। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है, जो मुंबई पुलिस की जांच को आगे बढ़ाने के लिए अहम है। कॉमेडियन सुनील पाल ने भी शेफाली के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा, बॉलीवुड से एक बहुत दुखद खबर आई है। हमारी दोस्त और प्रतिभाशाली अभिनेत्री शेफाली जरीवाला का निधन हो गया। हमने साथ में कई लाइव शो किए हैं। 'कांटा लगा' गाने से वो बहुत लोकप्रिय हुई थीं। वो एक बेहतरीन अभिनेत्री थीं।

छत्तीसगढ़ में सरकार की योजनाओं का असर, बीजापुर में 13 हार्डकोर नक्सलियों का आत्मसमर्पण

रायपुर । बीजापुर में 13 हार्डकोर नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने इसका श्रेय उन योजनाओं को दिया जिनकी मदद से प्रदेश में बदलाव की बयार बहने लगी। शर्मा ने कहा, यह आत्मसमर्पण प्रदेश सरकार की 'आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति-2025' और 'नियद नेल्ला नार योजना' की सफलता का प्रत्यक्ष प्रमाण है, जिससे नक्सल प्रभावित इलाकों में विश्वास और बदलाव की नई बयार बह रही है। प्रदेश में कानून-व्यवस्था है और कानून का राज है। पूर्व की सरकारों में पुलिस के मनोबल को तोड़ने का काम किया गया था। अब हमारी सरकार उस बिगड़ी व्यवस्था में सुधार ला रही है।वहीं, मल्लिकार्जुन खड़गे के छत्तीसगढ़ आगमन को लेकर भी डिप्टी सीएम से

सवाल किया गया। दरअसल, प्रदेश कांग्रेस कमिटी खड़गे के दौरे को 'संजीवनी' की तरह प्रोजेक्ट कर रही है। जब इस पर डिप्टी सीएम से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'खड़गे सनातन परंपरा का अपमान करते हैं और इसीलिए मैं उनकी आलोचना भी करता हूं। उनके आने से कोई लाभ नहीं होने वाला है। छत्तीसगढ़ की जनता उनका स्वागत नहीं करने वाली है। जहां तक बात है कांग्रेस में संजीवनी की तो कांग्रेस के नेता बेहतर जानते हैं कि उन्हें संजीवनी मिलेगी या नहीं। अब उनके आने से भविष्य क्या होगा, इसके बारे में मैं क्या कह सकता हूं।' छत्तीसगढ़ में पहली बार भाजपा बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन करने वाली है। तीन दिवसीय कार्यक्रम 7 से 9 जुलाई तक चलेगा। कांग्रेस इसे टूरिज्म कह रही है। इस पर विजय शर्मा ने कहा, कांग्रेस को लगता है कि उन्होंने सब कुछ पढ़ लिया है। प्रशिक्षण शिविर समय-समय पर संगठन की मजबूती के लिए लगाए जाते हैं।

काशी में शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केंद्र का शुभारंभ, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की पहल से भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण और प्रचार-प्रसार की दिशा में आज एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया। इस पहल का उद्देश्य वेद, उपनिषद, पुराण, शास्त्र आदि जैसे प्राचीन ग्रंथों का डिजिटलीकरण कर उन्हें जनसामान्य तक पहुंचाना है। यह बातें काशी नगरी में शास्त्र संग्रहालय एवं अनुसंधान केंद्र का भव्य शुभारंभ करते हुए महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कही। शिंदे ने वाराणसी के दुर्गाकुंड स्थित धर्मसंघ सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि इस केंद्र का उद्देश्य भारत की प्राचीन ग्रंथ संपदा का संरक्षण, डिजिटलीकरण और आधुनिक तकनीक की सहायता से समाज तक उसका प्रसार करना है। पुरातन पांडुलिपियों के संरक्षण का कार्य सिर्फ एक संस्थान का नहीं, बल्कि पूरे देश की भागीदारी का प्रतीक है। सरकार और समाज के सामूहिक प्रयास से ही भारत को विश्व गुरु बनाने का सपना साकार हो सकेगा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री शिंदे ने अपने संबोधन के दौरान बाबा विश्वनाथ और मां गंगा को नमन करते हुए कहा कि इस पावन नगरी में आने का अवसर मिलना किसी सौभाग्य से कम नहीं।

आचार्य विद्यानंद भारतीय परंपरा के आधुनिक प्रकाश स्तंभ, हमें विकास और विरासत को साथ लेकर बढ़ना है : पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को दिल्ली में जैन मुनि आचार्य श्री विद्यानंद जी महाराज की 100वीं जयंती पर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम मोदी ने कहा कि हमें विकास और विरासत को एक साथ लेकर आगे बढ़ना है। इसी संकल्प को केंद्र में रखकर हम भारत के सांस्कृतिक स्थलों और तीर्थ स्थानों का भी विकास कर रहे हैं। जैन मुनि आचार्य श्री विद्यानंद जी महाराज की सराहना करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि प्राकृत भारत की सबसे पुरानी भाषाओं में से एक है। ये भगवान महावीर के उपदेशों की भाषा है। लेकिन अपनी संस्कृति की उपेक्षा करने वालों के कारण ये भाषा सामान्य प्रयोग से बाहर होने लगी थी। हमने आचार्य श्री जैसे संतों के प्रयासों को देश का प्रयास बनाया। हमारी सरकार ने प्राकृत को 'शास्त्रीय भाषा' का दर्जा दिया। हम भारत की प्राचीन पाण्डुलिपियों को डिजिटाइज करने का अभियान भी चला रहे हैं। आचार्य विद्यानंद महाराज कहते थे

कि जीवन तभी धर्ममय हो सकता है, जब जीवन स्वयं ही सेवामय बन जाए। उनका ये विचार जैन दर्शन की मूल भावना से जुड़ा हुआ है, ये विचार भारत की चेतना से जुड़ा हुआ है। भारत सेवा प्रधान देश है, मानवता प्रधान देश है। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया में जब हजारों वर्षों तक हिंसा को हिंसा से शांत करने के प्रयास हो रहे थे, तब भारत ने दुनिया को अहिंसा की शक्ति का बोध कराया। हमने मानवता की सेवा की भावना को सर्वोपरि रखा। सब साथ चलें, हम मिलकर आगे बढ़ें। यही हमारा संकल्प है। पीएम ने कहा कि भारत विश्व की सबसे प्राचीन जीवंत सभ्यता है। हम हजारों वर्षों से अमर हैं, क्योंकि हमारे विचार अमर हैं, हमारा चिंतन अमर है, हमारा दर्शन अमर है और इस दर्शन के स्रोत हैं- हमारे ऋषि-मुनि, महर्षि, संत और आचार्य। आचार्य विद्यानंद जी महाराज, भारत की इसी परंपरा के आधुनिक प्रकाश स्तंभ हैं। पीएम ने कहा कि आज इस अवसर पर आपने मुझे 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि देने का जो निर्णय लिया है, मैं खुद को इसके योग्य नहीं समझता हूं। लेकिन हमारा संस्कार है कि हमें संतों से जो कुछ मिलता है उसे प्रसाद समझकर स्वीकार किया जाता है। इसलिए मैं आपके इस प्रसाद को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूं और मां भारती के चरणों में अर्पित करता हूं। प्रधानमंत्री ने बताया कि आज का ये दिन एक और वजह से बहुत विशेष है। 28 जून यानी, 1987 में आज की तारीख पर ही आचार्य विद्यानंद जी मुनिराज को आचार्य पद की उपाधि प्राप्त हुई थी।

कांग्रेस को देश में वोट मांगने का कोई अधिकार नहीं: भाजपा

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस की तमिलनाडु इकाई द्वारा प्रकाशित एक पुस्तिका में भारत के मानचित्र को गलत ढंग से चित्रित करने और जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख के हिस्सों को पाकिस्तान तथा चीन का भाग दर्शाये जाने पर तीखी प्रतिक्रिया जताई है और कहा है कि जो पार्टी भारत की प्रादेशिक अखंडता का सम्मान नहीं करती है, उसे देश में वोट मांगने का कोई अधिकार नहीं है। भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख एवं पश्चिम बंगाल के सह प्रभारी अमित मालवीय ने यहां 'एक्स' पर कहा, ÷कांग्रेस पार्टी में कुछ वाकई भयावह और विक्षिप्तता है। बार-बार सार्वजनिक आक्रोश और राष्ट्रीय शर्म के बावजूद, कांग्रेस जानबूझकर भारत के ऐसे विकृत मानचित्रों का उपयोग करना जारी रखती है जिनमें जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों को चीन और पाकिस्तान का भूभाग दर्शाया गया है। उन्होंने कहा कि यह कोई अकेली घटना नहीं है। पर अब, तमिलनाडु कांग्रेस ने भी इसी राष्ट्र-विरोधी पैटर्न का अनुसरण किया है।

इसके आधिकारिक 'एक्स' हैंडल में से एक - तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी रिसर्च डिपार्टमेंट - पर भारत के एक विकृत और भ्रामक मानचित्र का बेशर्मी से पार्टी अभियान को बढ़ावा देने के लिए इस्तेमाल किया गया।श्री मालवीय ने कहा, यह कोई गलती नहीं है। यह कांग्रेस का एक पूर्व-नियोजित राजनीतिक रुख है। जो पार्टी भारत की क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान नहीं करती, उसे भारत से वोट मांगने का कोई अधिकार नहीं है।

आईआईटी बॉम्बे में अवैध रूप से प्रवेश के मामले में सुरक्षा चूक का खुलासा

एजेंसी

मुंबई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) पवई में अवैध रूप से प्रवेश के मामले में मुंबई पुलिस की अपराध शाखा की जांच टीम ने संस्थान की सुरक्षा टीम की ओर से लापरवाही पर चिंता जताई है और परिसर की सुरक्षा में गंभीर चूक को भी उजागर किया है। गौरतलब है कि इस मामले में कर्नाटक के मंगलुरु के एक निवासी को अवैध रूप से छात्रावास में रहने और आईआईटी मुंबई में व्याख्यान में भाग लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। यह संस्थान भारत का प्रमुख तकनीकी संस्थानों और दुनिया के अग्रणी विश्वविद्यालयों में से एक है। बिलाल अहमद फैयाज अहमद तेली नामक व्यक्ति ने कथित तौर पर संस्थान के भीतर जासूसी गतिविधियों को अंजाम दिया और 14 दिनों तक अवैध रूप से आईआईटी पवई के अंदर रहा, सुरक्षा कर्मियों की नजर में आए बिना लगभग आठ से 10 बार परिसर में स्वतंत्र रूप से आता जाता रहा।पुलिस को बिलाल के मोबाइल फोन पर मैसेजिंग और कॉलिंग प्लेटफॉर्म आईएमओ और सिग्नल ऐप मिले हैं। अपराध शाखा के

अधिकारियों ने महत्वपूर्ण सीसीटीवी फुटेज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य बरामद किए हैं, जिसमें आरोपी को दो सप्ताह की अवधि में कई बार परिसर में प्रवेश करते और बाहर निकलते हुए देखा गया है। जांच ने संस्थान की सुरक्षा टीम की ओर से की गयी लापरवाही पर चिंता जताई है। सूत्रों ने कहा कि बिलाल परिसर में विभिन्न स्थानों पर सोता था, जिसमें हॉस्टल लॉबी में सोफे और खाली कमरों में गद्दे भी दिखाई दिये हैं, वह रोजाना अपने सोने की जगह बदलता था। पूछताछ के आधार पर अपराध शाखा ने परिसर में उसके प्रवेश मार्गों और आवाजाही का नक्शा बनाया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि आगे की जांच में सहायता के लिए एक विस्तृत नक्शा तैयार किया गया है। हालांकि, उसके लंबे समय तक रहने और निगरानी के पीछे का मकसद अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। अपराध शाखा ने बताया कि बिलाल ने वीपीएन का उपयोग करके आईआईटी पवई के आंतरिक क्षेत्रों के वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड किए थे। उसके मोबाइल फोन के फोरेंसिक विश्लेषण से ऐसे कई वीडियो सामने आए हैं। जांचकर्ता इन अपलोड के पीछे के उद्देश्य का पता लगाने में जुटे हैं। सात से दस जून के बीच बिलाल कथित तौर पर मुंबई से सूरत गया और दावा किया कि वह अपने रिश्तेदारों से मिलने गया था।

कोलकाता गैंगरेप केस : भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने की घटना की निंदा, जांच के लिए बनाई चार सदस्यीय कमेटी

एजेंसी

नई दिल्ली/कोलकाता । कोलकाता में लॉ छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जांच कमेटी बनाई है। छात्रा के साथ कॉलेज में कथित तौर पर तीन युवकों ने गैंगरेप किया था, जिसमें एक आरोपी टीएमसी की छात्र इकाई का सदस्य बताया जाता है। गैंगरेप का मामला सामने आने के बाद भाजपा लगातार पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी टीएमसी को घेर रही है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लॉ कॉलेज में छात्रा के साथ हुए गैंगरेप की निंदा की। उन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर चिंता व्यक्त की है। इसी बीच पार्टी ने 4 सदस्यीय एक कमेटी का गठन किया है, जो कोलकाता में घटनास्थल का दौरा करेगी। भाजपा की ओर से दी गई आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, 4 सदस्यीय जांच कमेटी में पूर्व केंद्रीय मंत्री सतपाल सिंह, मीनाक्षी लेखी, लोकसभा सांसद बिप्लब देव और राज्यसभा सांसद मनन कुमार मिश्रा शामिल हैं। प्रेस नोट के मुताबिक, जांच कमेटी जल्द ही घटनास्थल का दौरा करेगी और अपनी रिपोर्ट राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को सौंपेगी।इस मामले पर दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए भाजपा के

राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, ÷कोलकाता के लॉ कॉलेज में हुई भयावह घटना से पूरा देश दुखी है। आश्चर्य की बात है कि पश्चिम बंगाल किस दिशा में जा रहा है। यह दुखद है कि पश्चिम बंगाल में महिलाओं के खिलाफ इस तरह के जघन्य अपराध बार-बार सामने आ रहे हैं। एक ऐसा राज्य जहां एक महिला मुख्यमंत्री हैं, वहां महिलाओं के साथ इतनी क्रूरता क्यों है? संबित पात्रा ने कहा, पीड़िता के बयान से पता चलता है कि यह राज्य प्रायोजित क्रूरता प्रतीत होती है। ऐसा कहने का कारण यह है कि कथित तौर पर कॉलेज यूनियन इसमें शामिल है। मुख्य आरोपी मोनोजित मिश्रा कथित तौर पर टीएमसी की छात्र शाखा का सचिव रहा है। वह उसी कॉलेज का छात्र है, कानून की पढ़ाई कर रहा है और साथ ही सत्तारूढ़ पार्टी के छात्र संगठन से भी जुड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग करते हुए संबित पात्रा ने कहा, बंगाल में जो हो रहा है, उसको लेकर हम सब बहुत पीड़ा में हैं। बंगाल में महिलाओं के साथ इस प्रकार के क्रूर व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।

ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में धूमधाम से मनाया गया 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। 11वीं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उत्साह संपूर्ण विश्व में दिखाई दिया जिसमें ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज फरीदाबाद ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस कार्यक्रम के लिए अस्पताल प्रशासन ने पूर्व नियोजित कार्यक्रमों की एक श्रृंखला निर्धारित की हुई थी जिसका समापन आज 21 जून को योग दिवस के सफल आयोजन के साथ हुआ। कार्यक्रम में प्रातः 9ः00 बजे सभी संकाय सदस्य एकत्रित होकर महर्षि पतंजलि योगशाला एवं अनुसंधान केंद्र में उपस्थित हो गए थे। उसके पश्चात मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ अनिल कुमार पांडे मुख्य अतिथि के रूप में योग दिवस के कार्यक्रम में सम्मिलित

हुए। उनके साथ मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ संदीप कुमार, उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ रतन प्रकाश धीर (प्रशासन), डॉ राकेश सरवाल, कर्नल डॉ नरेंद्र कुमार, डॉ जगदीश शर्मा, डॉ मयंक हंस, डॉ शचि श्रीवास्तव, डॉ महकप्रीत डॉ अरविंद,डॉ ज्योति शर्मा, डॉ सार्थक वर्मा व डॉ संदीप योगाचार्य शामिल थे। सर्वप्रथम डॉ अनिल कुमार पांडे व डॉ संदीप कुमार द्वारा महर्षि पतंजलि जी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। उसके बाद दीप प्रज्वलन में सभी शामिल हुए। इसके पश्चात भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के संदेश को स्क्रीन पर दिखाया गया।

डॉ संदीप योगाचार्य ने निर्धारित योग प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया, जिसमें कॉलेज और हॉस्पिटल के संकाय सदस्यों, स्नातक बैच 2024 के विद्यार्थी एवं बीमा धारकों ने भाग लिया। योग अभ्यास के कार्यक्रम में नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल स्टाफ, हाउसकीपिंग स्टाफ, सुरक्षाकर्मी एवं विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। यह योग का अभ्यास प्रातः 8ः00 बजे से प्रारंभ हो गया था और इसके विभिन्न समय अनुसार इस कार्यक्रम को संचालित किया गया। योगाभ्यास प्रदर्शन में महिला योग प्रशिक्षिका मीनाक्षी के साथ डॉ प्रदायिनी, डॉ सुरभि, शांति ने सहयोग किया ?।

कार्यक्रम के मध्य में कुछ बीमा धारकों शिव देवी, हरि सिंह, ओम प्रकाश, सावित्री, राकेश, मारूफ आलम, सविता ने योग आयुर्वेद, खानपान- आहार विहार व एकीकृत स्वास्थ्य चिकित्सा द्वारा जटिल रोगों में प्राप्त किए गए लाभ के बारे में भी सार्वजनिक तौर पर अपना अनुभव साझा किया गया। डीन डॉक्टर अनिल कुमार पांडे ने उपस्थित सभी बीमा धारकों व कर्मचारियों को योग से जुड़ने की प्रशंसा की तथा सभी को योगमय जीवन अपनाने का संदेश दिया। सभी योग अभ्यासियों के लिए जलपान की सात्विक व्यवस्था की गई।

पीएम मोदी के नेतृत्व में नारीशक्ति, राष्ट्रशक्ति बन रही - सीएम रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शनिवार को आपातकाल की 50वीं बरसी पर दिल्ली प्रदेश महिला मोर्चा की ओर से महाराष्ट्र सदन में आयोजित मॉक पार्लियामेंट में शामिल हुईं। यहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला कल्याण के क्षेत्र में हो रहे प्रयासों की चर्चा की। महिलाओं का आह्वान किया कि वो राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएं। रेखा गुप्ता ने पीएम मोदी की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में नारीशक्ति, राष्ट्रशक्ति बन रही है। महिलाओं को आवास, शौचालय, गैस कनेक्शन और स्वच्छ जल जैसी बुनियादी सुविधाएं मिली हैं। मुस्लिम बहनों को तीन तलाक से मुक्ति और महिलाओं को संसद व विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण के माध्यम से लोकतंत्र में बराबरी की भागीदारी सुनिश्चित हुई है। अब समय है हम महिलाएं न केवल जागरूक बनें, बल्कि जिम्मेदारी लें और राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएं। वहीं, आपातकाल पर सीएम ने कहा कि वो एक ऐसा दौर था जहां कोई आवाज नहीं उठा सकता था। 21 महीने तक यातनाएं दी गईं। जिन्होंने भी आवाज उठाई उन्हें कुचल दिया गया, देश ने इतिहास में ऐसा काला अध्याय कभी नहीं देखा। पूर्व पीएम ने सत्ता में बने रहने के लिए लोगों को जेल में डाल दिया। मीडिया की आजादी पर पाबंदी, शासन-प्रशासन कुछ भी नहीं बोल सकते थे। युवाओं की जबरन नसबंदी कराई गई। रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट भी साझा की। लिखा, आपातकाल की 50वीं बरसी पर दिल्ली प्रदेश महिला मोर्चा द्वारा महाराष्ट्र सदन में आयोजित मॉक पार्लियामेंट में लोकतंत्र की हत्या के उस काले अध्याय पर अपने विचार साझा किए। 1975 में सिर्फ एक परिवार की सत्ता बचाने के लिए कांग्रेस सरकार ने पूरे देश को एक खुली जेल में तब्दील कर दिया था। हजारों देशभक्तों को बिना किसी मुकदमे के जेलों में डाल दिया गया। आज जो लोग संविधान की दुहाई देते हैं, उन्हें याद रखना चाहिए कि भारत की आत्मा को सबसे गहरा आघात कांग्रेस की ही तानाशाही ने पहुंचाया था।

सम्पादकीय

युद्ध रोकने की मंशा?

दिनेश शर्मा

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा है-'हमें पता है कि ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई कहां छिपे हैं? वह आसान टारगेट हैं, लेकिन अभी वहां सुरक्षित हैं, क्योंकि अभी हम उन्हें मारना नहीं चाहते।' लगभग यही भाषा इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी बोल रहे हैं। दोनों नेताओं के पास पर्याप्त जानकारी है कि ईरान के 'मजहबी नेता' मौजूदा दौर में बेबस और अलोकप्रिय हैं। यदि अमरीका या इजरायल उन्हें निशाना बना कर खत्म करते हैं, तो ईरान में किसी भी तरह का विद्रोह नहीं होगा। ये हालात तब से बने हैं, जब ईरान में एक महिला सामाजिक कार्यकर्ता माहसा अमीनी को जेल में यातनाएं देकर मार दिया गया था। महिलाएं सडक़ों पर उतरी थीं। उन्होंने अपने बुर्के जलाए थे। बाल काट-काट कर आग के हवाले कर दिए थे। उन विरोध-प्रदर्शनों के दौरान भी खामेनेई हुकूमत ने 500 से अधिक महिलाओं को मार दिया था। उस सोच के तबके आज भी 'मजहबी नेता' की हुकूमत के खिलाफ हैं। कुछ इस्लामी देशों समेत ईरान में भी, अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के खिलाफ, छिटपुट विरोध-प्रदर्शन किए जा सकते हैं, लेकिन अमरीका और इजरायल के खिलाफ व्यापक विद्रोह सामने नहीं आएंगे। एक तबका तो आज भी ट्रंप और नेतन्याहू को 'शैतान' करार देता है। बहरहाल ईरान में राजनीतिक अस्थिरता, हिंसा और सरकारी संस्थानों के ध्वस्त होने का दौर शुरू हो सकता है, क्योंकि बाहरी शक्ति के हस्तक्षेप और हुकूमत को उखाड़ फेंकने के अभियानों के बाद ऐसा होना स्वाभाविक है। इराक के तानाशाह सद्दाम हुसैन और लीबिया के स्वयंभू शासक एम. गद्दाफी की हत्याओं के बाद अस्थिरता महसूस की गई थी, लेकिन दोनों देश आज भी लोकतंत्र नहीं हैं। तानाशाही और आतंकवाद बदलते रूपों के साथ हुकूमत में हैं। अफगानिस्तान में घोषित आतंकी 'तालिबान', बिना चुनाव और लोकतांत्रिक जनादेश के, आज हुकूमत में हैं। दिलचस्प यह है कि भारत समेत दुनिया के ज्यादातर देश इस तालिबानी हुकूमत के साथ ही काम कर रहे हैं, लिहाजा तालिबान सरकार को मान्यता दे रहे हैं। अफगानिस्तान में सोवियत संघ और अमरीका दोनों ही महाशक्तियां पराजित हुई हैं। अमरीकी सैनिक तालिबान लड़ाकों के बढ़ते कदमों को रोक नहीं पाए, नतीजतन तत्कालीन राष्ट्रपति बाइडेन को अमरीकी सेनाओं की वापसी का निर्णय घोषित करना पड़ा। बहरहाल अब ईरान के संदर्भ में अमरीका और इजरायल की मंशा क्या है? कैसे थमेगा यह युद्ध? यह युद्ध भी वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं और सप्लाई चेन को बुरी तरह प्रभावित करेगा। ईरान की राजधानी तेहरान को तुरंत खाली कर देने के बयान राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नेतन्याहू दोनों ने दिए हैं, नतीजतन पलायन और विस्थापन शुरू हो गए हैं। भारतीय छात्रों को सुरक्षित निकालने का अभियान भी आरंभ हो चुका है। तेहरान में करीब 98 लाख लोग बसते हैं। शहर छोडने् की होड़ मची है। खाड़ी देशों और इजरायल में करीब 1 करोड़ भारतीय व्यापार और नौकरी कर रहे हैं और विद्यार्थी भी हैं। अकेले ईरान में ही 10, 765 भारतीय हैं, जिनमें 1500 से अधिक छात्र हैं। वे सभी अस्थिर होंगे। इजरायल-ईरान युद्ध पर महत्वपूर्ण रुख अख्तियार करने का मौका जी-7 समूह के विकसित और संपन्न देशों के पास भी था, लेकिन वे चूक गए और संघर्ष कम करने का ही आह्वान कर सके। उन्होंने इजरायल का पक्ष भी लिया और हमले को 'आत्मरक्षा का अधिकार' करार दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर नहीं किए, बल्कि शिखर सम्मेलन के अधबीच ही वाशिंगटन लौट गए। उन्होंने कहा है कि हम जंग का अंत चाहते हैं, बिल्कुल अंत, सिर्फ युद्धविराम के पक्ष में नहीं हैं। अंत तभी होगा, जब ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम बंद करना स्वीकार कर लेगा। हम ईरान के पास परमाणु बम नहीं देख सकते और न ही वह बना सकता है, लिहाजा ईरान 'बिना शर्त आत्मसमर्पण' करे। एक तरफ अमरीका का रुख यह है और दूसरी तरफ 40 से ज्यादा लड़ाकू विमान यूरोप भेजे हैं, जिससे युद्ध समाप्त किए जाने की मंशा साफ नहीं होती। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में जो समग्र कार्य योजना बनाई गई थी,

आपातकाल की पीड़ा को नहीं भूलेगा देश-औमप्रकाश धनखड़

हांसी ।
भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री औमप्रकाश धनखड़ ने आपात काल के 50 वर्ष पूरे के उपलक्ष्य में आयोजित संविधान हत्या दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वर्ष 1975 में लगाए गए आपातकाल को भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे काला अध्याय बताया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार यहूदी आज भी अपने साथ हुए अत्याचार को नहीं भूले, उसी प्रकार भारतीय जनता को भी 26 जून 1975 की सुबह को याद रखना चाहिए, जब देश की नींद टूटी और उसे पता चला कि देश में आपातकाल लग चुका है। धनखड़ ने कहा कि एक अंग्रेजी अखबार ने उस दिन लिखा था - ÷संविधान की हत्या करने वालों को भारत के नवजवानों को नहीं भूलना चाहिए।÷ भारतीय जनता पार्टी उसी संकल्प के साथ इस दिन को 'आपातकाल दिवस' के रूप में मनाती है ताकि देश की नई पीढ़ी को बताया जा सके कि किस प्रकार तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने संविधान और लोकतंत्र की हत्या की थी।

धनखड़ ने कटाक्ष करते हुए कहा - ÷आई से इंडिया, आई से इंदिरा÷ बताने वाली कांग्रेस आज संविधान की दुहाई देती है। वही कांग्रेस जो कल तक संविधान को कुचल रही थी, आज राहुल गांधी के माध्यम से संविधान की किताब हाथ में लेकर घूम रही है और स्वयं को लोकतंत्र का रक्षक बता रही है।

धनखड़ ने आगे कहा कि आपातकाल के दौरान धार्मिक, सामाजिक और राजनैतिक नेताओं को बिना किसी अपराध के जेलों में ठूंस दिया गया। अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, राजनारायण, रामबिलास शर्मा, सहित हजारों नेताओं को मीसा और डीआईआर जैसे काले कानूनों में बंद कर दिया गया। हजारों परिवारों पर

अत्याचार किए गए, बोलने की आज़ादी छीन ली गई, मीडिया पर सेंसरशिप थोप दी गई।

उन्होंने कहा कि 1976 में होने वाले आम चुनावों को भी टाल दिया गया और 1977 में जब जनता को बोलने का मौका मिला तो कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा। यह लोकतंत्र की ताकत थी जिसने एक सत्तावादी शासन को उखाड़ फेंका।

धनखड़ ने कहा कि आज भी वे लोग जो उस समय संविधान की हत्या के दोषी थे, अपने परिवार को ही देश समझते हैं। ऐसे परिवारवादी मानसिकता वाले दलों से सावधान रहने की आवश्यकता है।

भाजपा इस ऐतिहासिक सच्चाई को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संगोष्ठियों, प्रदर्शनों, प्रदर्शनियों एवं मॉक पार्लियामेंट जैसे कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है ताकि देश की नई पीढ़ी लोकतंत्र की कीमत समझ सके। नई पीढ़ी को पता होना चाहिए कि बाबा साहेब का सम्मान मोदी सरकार ने किया है।

प्रदर्शनी का किया अवलोकन

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय सचिव औम प्रकाश धनखड़, विधायक विनोद भ्याना ,जिला अध्यक्ष अशोक सैनी आदि नेताओं संग आपातकाल की यातना की दर्शाती प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए आपात काल से युवा पीढ़ी को अवगत कराना जरूरी

भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि आज जब हम आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण कर रहे हैं देख रहे हैं कि लोकतंत्र सेनानियों की तीसरी पीढ़ी आज राजनीतिक क्षेत्र में काम कर रही है उनको भी पता होना चाहिए की संविधान की हत्या कर कांग्रेस ने उनके पूर्वजों को बिना किसी अपराध के मां भारती सेवा करने के कारण जेल में ठूंस दिया गया ।

विधायक विनोद भयाना ने कहा कि जब देश में इमरजेंसी लागू हुई उस समय मैं 17 साल का था । मैंने अपनी आंखों से देखा कि हर व्यक्ति की आजादी छीन ली गई थी , किसी भी व्यक्ति को कुछ भी बोलने का अधिकार नहीं था। यहां तक की प्रेस की आजादी को भी छीन लिया गया। कोई भी सच्ची खबर नहीं दिखाई जाती थी। यह सब इंदिरा गांधी ने अपनी सत्ता को बचाने के लिए किया था। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के नेताओं को जेल में बंद कर दिया गया था। पूरे देश में कानून व्यवस्था समाप्त हो गई थी। यह सब बहुत ही पीड़ा दायक था। 19 माह तक आपातकाल लागू रहा। इस दौरान पूरा देश भयभीत था। इसके बाद चुनाव की घोषणा हुई और इस चुनाव में खुद इंदिरा गांधी 31000 वोटो से चुनाव हार गई थी। दोस्तों आज कुछ लोग कहते हैं कि देश का संविधान खतरे में है आप हमें बताएं कि देश का संविधान उस समय खतरे में था या आज खतरे में है। हम सबको यह संकल्प लेना होगा कि उन राष्ट्र विरोधी ताकतों को अब कभी भी वापस नहीं लौट दिया जाएगा।

भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक सैनी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और कहा कि कहा कि देश के इतिहास में आपातकाल एक काला अध्याय है। उस समय को देशवासी कभी भी नहीं भूल सकते। सुनीता डांगी तथा पूर्व राज्यसभा सांसद डीपी वत्स ने कार्यक्रम को बतौर वक्ता संबोधित किया। उन्होंने आपातकाल के संस्मरण सुनाए। कार्यक्रम मे आपातकाल के लोकतंत्र सेनानी हरीश चन्द्र मनोचा व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती संतोष मनोचा, सतीश कालरा व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुरेश कुमारी, निहाल चंद चावला, स्व. मामचंद की धर्मपत्नी श्रीमती बिमला देवी, स्व. शिशुपाल सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती शारदा देवी, स्व. विनोद कुमार की धर्मपत्नी श्रीमती वंदना देवी, स्व. फतेह चंद की धर्मपत्नी श्रीमती सन्नो देवी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मे भाजपा प्रदेश सचिव कैप्टन भूपेंद्र,मेयर हिसार प्रवीण पोपली, जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट धर्मवीर रतेरिया, कार्यक्रम संयोजक रामफल बूरा, सह संयोजक महेश शर्मा, विधायक विनोद भयाना के राजनीतिक सलाहकार दिनेश भूटानी , राजपाल यादव,उमेश वत्स, शमशेर पंघाल, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी संदीप आजाद, प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट नेहा धवन, युवा मोर्चा अध्यक्ष सुखविंद्र जाखड़, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष गोल्डी सैनी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष नीलम जांगड़ा,हांसी मंडल अध्यक्ष तनुज खुराना सहित काफी संख्या मे कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बजरंग गर्ग के 65 वां जन्मदिन पर केक काटकर, मिठाई बाटकर बनाया

हिसार – युवा कांग्रेस के शहरी प्रधान भारत सोनी व सर्वकार संघ के जिला प्रधान राम निवास सोनी ने अपनी टीम सहित प्रमुख समाज सेवी व हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रान्तीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग के निवास स्थान पर बजरंग गर्ग के 65 वां जन्मदिन पर केक काटकर, मिठाई बाटकर बनाया और इस शुभावसर पर पुष्पगुच्छ भेंट किया। भारत सोनी ने कहा कि बजरंग गर्ग हरियाणा के व्यापारी व आम जनता के सुख दुख के साथी है और 24 घण्टे जनता के दुख-सुख में खड़े रहते है। बजरंग गर्ग ने प्रदेश के व्यापारियों के लिए लम्बा संघर्ष किया है और समाजिक व धार्मिक कार्यो में बढ़चढ़ कर उनकी भागेदारी रहती है। हमारी परमपिता परमात्मा से प्राथना है कि बजरंग गर्ग पर हमेशा सभी देवी-देवताओं की कृप्या बननी रहे और इसी प्रकार जनहित के कार्य में लगें रहें। इस मौके पर एनएसयूआई जिला प्रधान रोहित दलाल, आशीष मलिक, अमित जग्गू, संदीप त्यागी, दीप गोदारा, रोहन अरोड़ा, मुनीष कुमार आदि प्रतिनिधी मौजूद थे।

उद्यमिता राष्ट्र की रीढ़, एमएसएमई इसका मजबूत आधार-जगमोहन आनंद

करनाल। करनाल के विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि देश की आर्थिक समृद्धि में एमएसएमई की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सरकार द्वारा एमएसएमई के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका लाभ हर उद्यमी तक पहुंच रहा है। देश के युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित करना समय की आवश्यकता है।

विधायक जगमोहन आनंद एक निजी होटल में अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए युवाओं का स्वरोजगार की ओर उन्मुख होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार एमएसएमई क्षेत्र को बढ़ावा देने और उद्यमियों को सहायता प्रदान करने के लिए कई योजनाएं चला रही है। इन योजनाओं का उद्देश्य उद्यमियों को वित्तीय सहायता, तकनीकी उन्नयन, कौशल विकास और बाजार तक पहुंच प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि एमएसएमई नए विचारों और उत्पादों के साथ प्रयोग करने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं, जिससे नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा मिलता है।एमएसएमई बेरोजगारी कम करने में महत्वपूर्ण योगदान देता है। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में यह बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार प्रदान करता है। कार्यक्रम में आईसीएआई करनाल के चेयरमैन सीए अनुज बंसल, सीए सार्थक मित्तल, सीए साहिल गोयल, सीए गोविन्द गुप्ता, सचिव मंजु लता, सीए विवेक चौहान सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

विधायक जगमोहन आनंद से मिला अतिथि अध्यापको का प्रतिनिधिमंडल

करनाल। अतिथि अध्यापकों का प्रतिनिधिमंडल शनिवार को विधायक जगमोहन आनंद से मिला। मुख्य मांगों को लेकर विधायक को ज्ञापन सौंपा। इस पर विधायक ने आश्वासन दिया कि पांच अतिथि अध्यापकों के प्रतिनिधिमंडल को जल्द ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिलवाया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व जिला प्रधान नरिंदर सिंह संधू ने कहा कि हमें हरियाणा शिक्षा विभाग में अपनी सेवाएं प्रदान करते हुए लगभग 20 वर्ष पूरे होने के हैं। इतना लंबा अरसा बीतने के बात भी अभी तक हमे न तो नियमित किया गया और न ही समान काम समान वेतन और अन्य सभी जरूरी सुविधाएं प्रदान की गई हैं। प्रदेश में कार्यरत हज़ारों अतिथि अध्यापकों और उनके शुभचिंतकों में भारी रोष व्याप्त है। हरियाणा शिक्षा विभाग में सेवाए देते हुए इतना लंबा अरसा हो गया है कि पिछले कुछ सालों से हमारे बहुत से अध्यापक साथी खाली हाथ रिटायर हो चुके है और अब हो भी रहे है जिनका बुढ़ापा अंधकारमय है। उन्होंने कहा कि 20 साल पहले वर्ष 2005 में कांग्रेस के शासनकाल में जब सरकार के पास बजट की कमी थी और प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था चरमरा रही थी तो उस समय मौके की हुड्डा सरकार ने अपने काम चलाने के लिए गांव,ब्लॉक और जिला स्तर पर पढ़े लिखे लगभग 22 हजार बेरोजगारों युवाओं को रोजग़ार दिया था। इन सभी युवाओं ने दिनरात मेहनत करके हरियाणा प्रदेश के स्कूलों की छवि को सुधारने का काम किया और स्कूलों में छात्र संख्या में कई गुना बढ़ोतरी की। जिस बाबत सरकार ने हमारे रहते हुए 2006, 2009,2011 और 2017 में जेबीटी ,टीजीटी और पीजीटी स्तर की भर्तियां की जिसने मौजूदा अतिथि अध्यापकों द्वारा पढ़ाए हुए सैकड़ों शिष्य भी भर्ती होकर रेगुलर हो चुके हैं, लेकिन दुर्भाग्यवश गुरु अभी तक पक्का होने की बाट जोह रहे है। मौजूदा भाजपा सरकार ने 2019 में अतिथि शिक्षकों की सेवाओं को 58 वर्ष की आयु तक सेवा सुरक्षा तो जरूर प्रदान कर दी, परंतु न समान काम समान वेतन,मेडिकल सुविधा,ईपीएफ सुविधा,मकान भत्ता,रिटायरमेंट पर कोई सम्मान जनक राशि या पेंशन आदि सुविधाएं प्रदान की। हर बार हमारी पोस्ट को खाली मानकर कहीं मर्जी दूर दराज जिलों में सेवाये देने को मजबूर किया जाता रहा है जोकि आज भी लागू है। भाजपा सरकार ने पहली बार 2014 में सत्ता में आने से पहले पहली ही कलम से पक्का करने का वायदा किया था और दूसरी बार सत्ता में आने से पहले जो मांगे मानी थी उन्हें भी अभी तक लागू नहीं किया गया है जिस कारण प्रदेश के हजारों अतिथि शिक्षक अपने आपको को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से हरीश ग्रोवर, परवीन वत्स, संजीव ठाकुर, राकेश राणा तिलकराज और शास्त्री आदि मौजूद रहे।

ये हैं अतिथि अध्यापकों की मुख्य मांगें

अतिथि अध्यापकों की लंबी सेवाओं को देखते हुए नियमित किया जाए। बेसिक और डीए व बेसिक पर इनक्रीमंटे का लाभ दिया जाए। गेस्ट टीचर्स को एचआरए नहीं मिलता है, जबकि उनसके प्रदेश में कहीं भी सेवाएं ली जा रही हैं।

गुमथलागढू में युवाओं के लिए सांसद नवीन जिंदल ने भेजी क्रिकेट किट

पिहोवा। सांसद नवीन जिंदल ने युवाओं को खेलों से जोड़ने के लिए अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं चलाई हुई है। इस पहल के अंतर्गत गांव गुमथलागढ़ू में खिलाड़ियों के लिए सांसद की ओर से हल्का इंचार्ज जीत राम के जरिए क्रिकेट किट भेजी गई। सांसद नवीन जिन्दल का आभार व्यक्त करते हुए टीम कैप्टन प्रिंस कंबोज ने कहा कि सांसद नवीन जिन्दल खेलों के क्षेत्र में युवाओं को आगे बढ़ने के लिए सहयोग कर रहे हैं और भविष्य में भी संसदीय क्षेत्र के खिलाड़ियों को हरसंभव सहायता देने के लिए तैयार हैं। कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में खिलाड़ियों को खेल संबंधी सुविधाएं व युवाओं के लिए जिम की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि सांसद नवीन जिन्दल समय-समय पर खिलाड़ियों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानकर समाधान की दिशा में आवश्यक कदम उठा रहे हैं। सांसद नवीन जिन्दल की यह पहल युवाओं में खेल के प्रति जागरूकता और उत्साह बढ़ाने की दिशा में एक प्रेरणास्त्रोत बन रही है। इस अवसर पर सरदार वीरेंद्र सिंह, संदीप चीमा, मुकेश गोस्वामी, हरगुण सिंह, विजय कुमार, गुरचरण सिंह, विश्वजीत, जोगन सिंह, जगरूप सिंह, नरेंद्र सिंह, सचिन और बलिहार सहित ग्राम वासियों ने सांसद नवीन जिन्दल का आभार व्यक्त किया।

कथावाचक ने सुनाई श्रीराम वनवास की कथा

करनाल। श्री सनातन धर्म मंदिर कुंजपुरा रोड में पांच दिवसीय श्री राम कथा का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को कथा वाचिका कनिष्का भारती ने श्री राम वनवास का वर्णन किया। जैसे ही राम वनवास की कथा शुरू हुई, तो श्रोताओं की आंखों से आंसू छलक पड़े। वहीं, कथावाचक ने भरत संवाद व लंका दहन का भी वर्णन सुनाया। कथावाचिका ने कहा कि अयोध्या के कोप भवन में कैकेयी ने राजा दशरथ से दो वचन मांगे। जिस पर राजा दशरथ ने कहा कि रघुकुल रीति सदा चल आई, प्राण जाई पर वचन न जाई। यह सुनते ही कैकेयी ने राजा दशरथ से अपने दो वचनों में से पहला वचन अपने पुत्र भरत को अयोध्या की राजगद्दी तथा दूसरा भगवान श्रीराम को 14 वर्ष का वनवास मांगा। कैकेयी के यह कटु वचन सुनते ही महाराजा दशरथ दुखी हो गए। जब भगवान श्रीराम को इस बात का पता चला, तो वे पिता के वचन को निभाने के लिए वन जाने को तैयार हो गए। भगवान श्रीराम के वन जाने की बात सुनते ही माता सीता और लक्ष्मण भी उनके साथ वन जाने को तैयार हो गए। राम जी के मना करने के बाद भी लक्ष्मण नहीं माने। जिसके बाद तीनों अयोध्या से वन के लिए निकल पड़े। कथा आयोजक ललित शर्मा ने बताया कि 29 जून तक श्री राम कथा का आयोजन सायं चार से सात बजे तक किया जाएगा। इस अवसर पर कथा आयोजक ललित शर्मा, पूर्व तहसीलदार राज बख्श, योगेश कामरा, अमित गुप्ता, अरविंद मान, भाजपा युवा जिला अध्यक्ष शुभम गुप्ता, सलोनी अग्रवाल, मोहन लोधी, माणिक शर्मा, दिनेश शर्मा, सोनिया पंडित, दिलप्रीत शैंकी, पवन प्रजापति व पंकिल गोयल आदि मौजूद रहे।

प्रोपट्री आईडी ठीक करवाने की एवज में भ्रष्टाचार चरम पर-अशोक बुवानीवाला

भिवानी। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस उद्योग सैल के चेयरमैन अशोक बुवानीवाला ने प्रॉपर्टी आईडी में खामियों का मुद्दा उठाते हुए कहा है कि प्रदेश सरकार आम आदमी के लिए परेशानियों की सरकार बनती जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रॉपर्टी आईडी में पाई जा रही खामियां आम आदमी के लिए जी का जंजाल बनी हुई है। उन्होंने कहा कि प्रॉपर्टी आईडी में छोटी-छोटी गलतियों की भरमार हैं। इन्हें ठीक करने में संबंधित कर्मचारी आनाकानी करते हैं। अधिकांश प्रॉपर्टी आईडी में नाम, पता, मोबाइल, क्षेत्रफल और किसी अन्य के नाम प्रॉपर्टी जैसी गलतियों की भरमार हैं। यहीं कारण है कि निगम कार्यालयों में प्रॉपर्टी आईडी ठीक करवाने के लिए रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़े गए कर्मचारियों पर लोग अचंभित नहीं है, बल्कि लोग इतने परेशान है कि नगर निगम कार्यालयों में प्रॉपर्टी आईडी ठीक करवाने के लिए कर्मचारी की बात मानने को मजबूर होना पड़ता है और इन भ्रष्ट कर्मचारियों के सामने झुकना पड़ता है। बुवानीवाला ने कहा कि सिर्फ इतना ही नहीं अवैध

कॉलोनाइजरों के साथ कर्मचारियों और जिला राजस्व कार्यालय के अधिकारियों की मिलीभगत से आए दिन प्रदेश में भ्रष्टाचार के नए-नए मुद्दें उजागर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले तो नियमों को ताक पर नप कार्यालय गलत प्रॉपर्टी आईडी बना रहे हैं, उसके बाद उसी आधार पर प्रतिबंधित इलाके में फर्जी तरीके से भूमि रजिस्ट्री करवाई जा रही है। जिला राजस्व अधिकारी कार्यालय ने प्रतिबंधित किला और खसरा नंबर की भूमि रजिस्ट्री में हरियाणा सरकार की ओर से जारी 2018 और 2025 के नोटिफिकेशन को भी दरकिनार कर डाला। इतना सबकुछ होने के बाद भी प्रदेश सरकार अपनी आंखें बंद करके बैठी हुई है। कांग्रेस नेता ने कहा कि कुछ दिन पूर्व ही भिवानी में अवैध कॉलोनाइजरों ने शहर में अधिकारियों से मिलीभगत कर प्रतिबंधित इलाके में बेचे गए प्लाटों की गलत तरीके से भूमि रजिस्ट्री का मुद्दा सामने आया है। अगर मामले की जांच कराई जाए तो अवैध लाजपत नगर में प्रतिबंधित इलाके में काटी गई अवैध कॉलोनियों के अंदर फर्जी तरीके से काफी रजिस्ट्रियां भी सामने आ सकती हैं। उन्होंने कहा कि नगर परिषद में गलत प्रॉपर्टी आईडी और जिला राजस्व विभाग में भूमियों की गलत रजिस्ट्री के काफी गड़बड़झाले सामने आ चुके हैं। इसके बावजूद भ्रष्टाचार कर अधिकारियों की मिलीभगत से फर्जीवाड़ा रुकने का नाम नहीं ले रहा है। प्रतिबंधित इलाकों की गलत रजिस्ट्री और नगर परिषद में फर्जी तरीके से प्रॉपर्टी आईडी बनाने का धंधा नहीं रुक रहा है। कांग्रेस नेता अशोक बुवानीवाला ने कहा कि आम आदमी की परेशानियों को समझते हुए प्रदेश सरकार शीघ्र से शीघ्र प्रॉपटी आईडी को दुरूस्त करने की दिशा में कोई ठोस कदम उठाए और प्रॉपर्टी आईडी के ठीक करवाने के नाम पर रिश्वत ले रहें कर्मचारियों पर कड़ी कार्यवाही की जाएं। साथ ही प्रदेशभर में धड़ल्ले से चल रहे फर्जी प्रॉपटी आईडी बनाकर जमीनों की खरीद-फरोत के गोरखधंधों की भी विजीलेंस जांच करवाकर कड़ी कार्यवाही की जाएं।

भारत विकास परिषद के संस्थापक की जयंती पर किया पौधारोपण

करनाल। भारत विकास परिषद के संस्थापक डॉ सूरज प्रकाश की जयंती के उपलक्ष्य में सेक्टर -13 के पार्क में पौधरोपण का कार्य संपन्न किया गया। सूरज शाखा अध्यक्षा डॉ स्वर्णलता काठपाल ने डॉ सूरज प्रकाश के परिषद के प्रति समर्पण भाव को याद करते हुए सभी आगंतुक सदस्यों का अभिवादन किया। ओ पी सुखीजा ने वृक्षों के महत्व को चंद काव्यमई पंक्तियों द्वारा प्रस्तुत किया व योगेन्द्र कौशिक द्वारा जल की अहमियत काव्यरूप में वर्णित की गई। सदस्यों द्वारा लगभग 20 छायादार वृक्षों जैसे गुलमोहर, नीम, अमलतास, लसोड़ा, अमरूद, बरगद, पीपल, हारश्रिंगार, अपराजिता बेल, इत्यादि को रोपित किया गया। सभी ने उत्साह पूर्वक सहयोग दिया। उदयभान व माली प्रीतम ने प्रकल्प से जुड़े एहम कार्यों को अंज़ाम दिया। आए हुए सभी सदस्यों को ठंडा जल पेय व खाद्य पदार्थ वितरित किए गए। इस प्रकल्प को सफ़ल बनाने में डॉ स्वर्णलता काठपाल अध्यक्षा, राजेश गोगिया कोषाध्यक्ष, विनीता गेरा उपाध्यक्ष, महिला सहभागिता, डॉ हर्ष सेठी उपाध्यक्ष, पर्यावरण, हरीश शर्मा उपाध्यक्ष, सेवा, हरमीत सिंह उपाध्यक्ष, संस्कार, डॉ नीना अरोड़ा पूर्व अध्यक्षा, प्रो नरेश बत्रा, कर्नल बी सी काठपाल, भूषण गोयल, अंजू शर्मा, डॉ सुरेश सिंघला, पूनम सिंघला, योगेंद्र कौशिक, अजीत सिंह राही, नीना अग्रवाल व पूनम दिवान की सहभागिता रही जिसके लिए शाखा की तरफ से तह दिल से साधुवाद।

प्रतिरक्षण सप्ताह के तहत 1315 बच्चों व 192 गर्भवती महिलाओं को लगाए गए टीके

नारनौल । जिला में 23 से 28 जून तक चलाए गए स्पेशल प्रतिरक्षण सप्ताह के तहत लगभग 1315 बच्चों व 192 गर्भवती महिलाओं को टीके लगाए गए।

यह जानकारी देते हुए सिविल सर्जन डा. अशोक कुमार ने बताया कि यदि किसी कारण से कोई बच्चा बिना टीकाकरण के वंचित रह गया हो तो वो अपने बच्चा का नजदीकी स्वास्थ्य संस्था पर कार्यरत एएनएम से मिलकर टीकाकरण करवा सकते हैं।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा जिले में 16 से 31 जूलाई तक दस्त रोको अभियान चलाया जा रहा है। जिसका लक्ष्य -÷दस्तों की वजह से जीरों मृत्यु दर प्राप्त करना।÷ उन्होंने बताया कि गावों में आशा वर्कर 5 साल तक के सभी बच्चों को ओआरएस के पैकेट तथा जिंक की गोलियां घर-घर जाकर वितरित की जा रही है व ओआरएस का घोल बनाने की विधि बताई जा रही है। सिविल सर्जन ने आमजन से अनुरोध किया है कि बच्चें को दस्त होने पर अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में सम्पर्क करें और बच्चें को ओआरएस का गोल व जिंक की गोली अवश्य दें।

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने दी हलके को बड़ी सौगात- करीब 3 करोड़ 77 लाख की 7 परियोजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास

करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने शनिवार को घरौंडा हलके में तीन करोड़ 76 लाख 45 हजार रुपये की 7 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इस मौके पर उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि वे खुलकर अपनी समस्याओं व मांगों को रखें, हर वाजिब कार्य को पूरा कराया जाएगा। हलके में तरक्की की मजबूत नींव रखी जा चुकी है। लंबित कार्यों को तेजी से पूरा कराया जा रहा है। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के लिए प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। इसे दो साल के अंदर पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने गांव भरतपुर में पीडब्ल्यूडी सड़क से श्मशान घाट तक के रास्ते का शिलान्यास किया। पंचायती राज विभाग द्वारा बनवाए जाने वाले 1278 मीटर लंबे इस रास्ते पर 57 लाख 25 हजार रूपये की लागत आएगी। पेवर ब्लॉक से बनाए जाने वाले इस रास्ते का निर्माण कार्य चार महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने सदरपुर गांव में उप स्वास्थ्य केंद्र का भी शिलान्यास किया। इसका निर्माण जिला परिषद की ओर से कराया जाएगा। इस पर 67 लाख 26 हजार रुपये की लागत आएगी।

27 लाख रुपये में बनी सड़क का किया उद्घाटन

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने मुंडी गढ़ी-गढ़ी खजूर सड़क से गांव बस्सी तक मंडी बोर्ड द्वारा बनवाई गई 220 मीटर लंबी संपर्क सड़क का उद्घाटन किया। इस पर 27 लाख रुपये खर्च हुए हैं। इसके बाद गांव गढ़ी खजूर में हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 14 कमरों के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इन पर 1 करोड़ 92 लाख 39 हजार रुपये की लागत आएगी। निर्माण कार्य 18 सितंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने इसी गांव में पंचायती राज विभाग की ओर से एसएचजी के लिए बनवाये गए हॉल और महिला चौपाल में बनाए गए कमरे का भी उद्घाटन किया। इन पर क्रमश- आठ व नौ लाख रुपये खर्च हुए हैं। 15 लाख 55 हजार रुपये की लागत से पीडब्ल्यूडी रोड से डेरा बामनी तक बनी फिरनी ड्रेन के निर्माण कार्य का उद्घाटन किया।

हलके में तेजी से हो रहे विकास कार्य

सदरपुर गांव में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि यहां उप स्वास्थ्य केंद्र बनवाने की पुरानी मांग थी जो अब पूरी होने जा रही है। उन्होंने कहा कि यमुना बैल्ट में चौपाल, स्कूल, गली, खेत के रास्ते, सामुदायिक केंद्र आदि के काफी विकास कार्य हुए हैं, अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। अधूरे कामों को तेजी से पूरा किया जा रहा है। बाढ़ से बचाव के लिए यमुना के तटबंधों को मजबूत किया जा रहा है। पंचायत ने गांव में स्कूल के लिए दो एकड़ जमीन दी है। पंचायत से कहा है कि कुछ और जमीन उपलब्ध कराई जाए ताकि भविष्य में स्कूल भवन व खेल सुविधाओं के विस्तार में कोई दिक्कत न आए।

बेटियों को किया प्रेरित

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने इस मौके पर गांव की बेटियों को कड़े परिश्रम और उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षित होकर वे अफसर बनें और गांव व राष्ट्र का नाम रौशन करें। पढ़ाई के लिए संसाधनों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। कभी किसी संसाधन की जरूरत हो तो उन्हें निसंकोच बताएं।

इस मौके पर सिविल सर्जन डॉ. पूनम चौधरी, उप सिविल सर्जन डॉ. रवींद्र संधू, डॉ. मनीष, नायब तहसीलदार अरविंद यादव, जिला परिषद के कार्यकारी अभियंता प्रदीप, एसडीओ जयभगवान, मंडी बोर्ड के एक्सईएन बिजेंद्र, जेई राजन, शिक्षा परियोजना परिषद के एसडीओ वीरेंद्र सिंह, जेई निशांत राणा, बीईओ रवींद्र कुमार, स्कूल प्रिंसिपल श्रीमती प्रवीण हुड्डा आदि मौजूद रहे।

कपास व अन्य फसलों का सर्वेक्षण कर किसानों को दी गई कीट प्रबंधन की जानकारी

फरीदाबाद की आवाज

गुरुग्राम। केंद्र सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के क्षेत्रीय एकीकृत नाशी जीव प्रबंधन केंद्र, फरीदाबाद एवं जिला कृषि विभाग गुरुग्राम के अधिकारियों द्वारा कपास सहित अन्य फसलों का सर्वेक्षण किया गया।

इस सर्वेक्षण का संचालन क्षेत्रीय एकीकृत नाशी जीव प्रबंधन केंद्र (सीआईपीएमसी), फरीदाबाद की क्षेत्रीय प्रमुख एवं उपनिदेशक, डॉ. वंदना पांडे के निर्देशन में किया गया। जिला कृषि विभाग, गुरुग्राम के उप कृषि निदेशक डॉ. अनिल कुमार एवं सहायक पौधा संरक्षण अधिकारी डॉ. सोनिया के सहयोग से यह सर्वेक्षण जिला गुरुग्राम के विभिन्न क्षेत्रों में किया गया। सर्वेक्षण के दौरान किसानों को कपास एवं अन्य फसलों में लगने वाले कीट और व्याधियों की पहचान तथा उनसे निपटने के लिए यांत्रिक एवं जैविक कीटनाशक (बायो पेस्टीसाइड) उपायों की जानकारी दी गई। किसानों को सुझाव दिया गया कि फसल के शुरुआती चरण में प्रत्येक खेत में कीटों की निगरानी और रोकथाम के लिए 4 फेरोमोन ट्रैप लगाएं तथा कपास या अन्य फसलों के लिए उपयुक्त ल्योर का उपयोग करें। इसके अतिरिक्त, किसानों को राष्ट्रीय कीट निगरानी प्रणाली (एनपीएसएस) मोबाइल ऐप के बारे में भी जानकारी दी गई, जिससे वे अपनी फसल में लगने वाले कीटों और रोगों की पहचान एवं समाधान तुरंत प्राप्त कर सकें। इस ऐप के माध्यम से अनावश्यक रासायनिक कीटनाशकों के प्रयोग को भी कम किया जा सकेगा। सर्वेक्षण के दौरान यह भी सलाह दी गई कि कपास के खेतों के पास पड़ी पुरानी फसल के अवशेषों को पॉलीथिन से ढककर या दबाकर नष्ट किया जाए, जिससे कीटों के प्रजनन को रोका जा सके। इस अवसर पर केंद्र सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सीआईपीएमसी, फरीदाबाद से लक्ष्मीकांत (सहायक वनस्पति संरक्षण अधिकारी), रूबी (वैज्ञानिक सहायक) एवं आस्था हुड्डा (तकनीकी अधिकारी), तथा हरियाणा राज्य सरकार के जिला कृषि विभाग से डॉ. सोनिया (सहायक पौधा संरक्षण अधिकारी), डॉ. सत्येन्द्र सिंह (कृषि विकास अधिकारी) एवं अन्य गणमान्य किसान उपस्थित रहे।

अतिरिक्त निगमायुक्त ने टाउन वेंडिंग समिति के साथ की बैठक

साफ-सफाई और अतिक्रमण रोकथाम पर दिया जोर

फरीदाबाद की आवाज

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के अतिरिक्त आयुक्त यश जालुका ने गुरुवार को टाउन वेंडिंग कमेटी (टीवीसी) के सदस्यों के साथ अहम बैठक की। बैठक में फुटपाथ और सड़कों पर अतिक्रमण रोकने, वेंडिंग एरिया में स्वच्छता बनाए रखने तथा वेंडिंग कार्ट्स के पास दो डस्टबिन अनिवार्य रूप से रखने के निर्देश दिए गए। अतिरिक्त निगमायुक्त ने पॉलीथीन व सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर सख्ती से रोक लगाने की अपील की और कहा कि सभी वेंडर अपना कचरा नगर निगम के सेकेंडरी कलेक्शन प्वाइंट पर ही डालें। साथ ही उन्होंने कचरा कलेक्शन गाड़ी की व्यवस्था सुनिश्चित करने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने वेंडिंग जोन के लिए स्थानों की पहचान में सहयोग की अपील भी की, ताकि रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को व्यवस्थित और सुविधाजनक स्थान मिल सके। बैठक में टाउन वेंडिंग कमेटी के सदस्यों ने भी अपनी समस्याएं रखीं। उन्होंने अनुरोध किया कि इनफोर्समेंट टीम द्वारा उनकी रेहड़ियों को ना तोड़ा जाए और यदि रेहड़ी जब्त की जाए तो रसीद दी जाए। इसके अतिरिक्त, वेंडिंग जोन में पीने के पानी, शौचालय और प्रकाश की उचित व्यवस्था करने की मांग भी की गई। बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई और दोनों पक्षों ने सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने का संकल्प लिया, जिससे शहर में व्यवस्थित और स्वच्छ वेंडिंग सिस्टम को बढ़ावा मिल सके।

भारत को आत्मनिर्भर बनाने में पंचगव्य उत्पाद महत्वपूर्ण : पूरन यादव

फरीदाबाद की आवाज

गुरुग्राम। यहां कार्टरपुरी स्थित कामधेनु धाम गौशाला में गुरुवार को पंचगव्य से 16 उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन अवसर पर सभी प्रशिक्षण लेने वालों को सर्टिफिकेट वितरित किए गए।

इस अवसर पर गौसेवा आयोग के वाइस चेयरमैन पूरन यादव लोहचब ने कहा कि पंचगव्य उत्पाद आत्मनिर्भर भारत में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। हजारों लोगों को रोजगार मिला है और लाखों लोगों को स्वास्थ्य लाभ भी हो रहा है। पूरन यादव ने बताया कि राजस्थान से आए पंचगव्य उत्पाद प्रशिक्षक श्री घनश्याम मीणा ने 16 पंचगव्य उत्पादों का प्रशिक्षण दिया जिसमें तीन प्रकार के गोमूत्र अर्क, पंचगव्य, पंचगव्य घृत, लाल दंत मंजन, अमृत धारा, केश शैंपू, फेस पैक, बर्तन बार, तेल, धूपबत्ती, साबुन नश घृत, मोबाइल रेडिएशन रोधी चिप, हर्बल, जीवाणु नाशक स्प्रे आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष एवं शिविर के संयोजक पूरन यादव लोहचब ने कहा की गोवंश आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने गौशालाओं को स्वावलंबी बनाने और जो प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, उन्हें अब स्वरोजगार हेतु यह प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा आप जो भी उत्पाद बनाएंगे उसकी विपणन और मार्केटिंग में हम सहयोग करेंगे।

उन्होंने कहा कि हमारे देश के ऋषि मुनियों वैज्ञानिकों ने कहा कि गाय के गोबर में लक्ष्मी का वास है धीरे-धीरे यह सिद्ध होता जा रहा है। मिट्टी की घटती उर्वरा शक्ति को बढ़ाने में केवल गाय का गोबर ही उपयोगी है। भविष्य में गाय के घी से भी अधिक उपयोगी गाय का गोबर सिद्ध होगा और यह ऊर्जा का भविष्य में प्रमुख स्रोत बनेगा। इस अभियान को पूरे हरियाणा प्रदेश में हरियाणा गऊ सेवा आयोग के सहयोग से आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चेतन दास गौ संवर्धन संस्थान के संरक्षक पूज्य प्रभाती लाल ने कहा कि हमारा देश विश्व गुरु रहा है। उसमें गाय की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गौ सेवा विभाग गतिविधि प्रमुख कैलाश गर्ग, हरियाणा भाजपा के मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी ने भी अपना संबोधन रखा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से वेटरनिटी डॉक्टर पशुपालन विभाग हरियाणा पूजा एवं जगाधरी से आए पंचगव्य विशेषज्ञ तरुण जैन भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रशिक्षण प्रभारी वीरेंद्र सिंह ने किया। कार्यक्रम के समापन के पश्चात उपस्थित प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

हरियाणा के नौकायन खिलाड़ियों की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जीता रजत पदक

सोहना के आयु कुमार ने ग्रीन फ्लीट वर्ग में रजत पदक किया अपने नाम

गुरुग्राम। हरियाणा के युवा नाविकों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराते हुए राज्य का मान बढ़ाया है। मैसूर में हुई वाईएआई यूथ एंड जूनियर मल्टीक्लास चैंपियनशिप 2025 में विकास एवं खेल प्रोत्साहन सेवा समिति सोहना के खिलाड़ियों नेशानदार प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता 20 से 25 जून 2025 तक रॉयल मैसूर सेलिंग क्लब द्वारा किया गया था।

प्रतियोगिता में हरियाणा की ओर से भाग लेते हुए आयु कुमार ने ग्रीन फ्लीट वर्ग में 13 प्रतिभागियों के बीच उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया। आयु कुमार ने लडक़ों की श्रेणी में अपनी रणनीतिक समझ और अनुशासित प्रदर्शन से यह सफलता अर्जित की। इसी प्रतियोगिता में साक्षी चौंकर ने भी लड़कियों की श्रेणी में शानदार प्रदर्शन कर यह सिद्ध किया कि हरियाणा की बेटियां भी खेलों के क्षेत्र में किसी से पीछे नहीं हैं।

इस सफलता के पीछे यॉट क्लब ऑफ हैदराबाद फाउंडेशन के सुहीम शेख का विशेष योगदान रहा है। उन्होंने बीते एक वर्ष से हरियाणा टीम को हैदराबाद में अपनी नावें, प्रशिक्षण स्थल एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं निश्शुल्क उपलब्ध करवाईं। उनकी विशेषज्ञता, मार्गदर्शन एवं खिलाड़ियों के प्रति समर्पण ने टीम को इस मुकाम तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। टीम के कोच लोकेश यादव ने खिलाड़ियों को नियमित प्रशिक्षण, मानसिक मजबूती एवं तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि आयु कुमार और साक्षी की उपलब्धियों पर गर्व महसूस करता हूं। उनकी मेहनत, अनुशासन और जीतने की जिद ने इस सफलता को संभव बनाया है। यह हरियाणा की नौकायन यात्रा की बस शुरुआत है।

प्रतियोगिता में हरियाणा की ओर से भाग लेते हुए आयु कुमार ने ग्रीन फ्लीट वर्ग में 13 प्रतिभागियों के बीच उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया। आयु कुमार ने लड़कों की श्रेणी में अपनी रणनीतिक समझ और अनुशासित प्रदर्शन से यह सफलता अर्जित की।

हरियाणा याचिंग एसोसिएशन ने खिलाड़ियों, कोच एवं सहयोगी संस्थाओं को बधाई देते हुए इसे राज्य के लिए गर्व का विषय बताया और आशा व्यक्त की कि भविष्य में हरियाणा के नाविक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का नाम रोशन करेंगे। इस उपलब्धि पर ऋषिराज दांगी (जॉइंट डायरेक्टर, पंचायती राज हरियाणा), स्वराज प्रधान, विजयपाल सरपंच, जतनवीर राघव (सचिव), भारत योगी, सुशीला दांगी, निर्मला चोपड़ा (सरपंच), नरेश सरपंच, गंगाराम, रवि सिंगला, रमजान चौधरी एडवोकेट, सचिन नंबरदार, शीतल कुमारी सरपंच, राकेश कुमार चंद्रसेन, नेत्रपाल, मनोज सिंह, अनिल शास्त्री, भूप सिंह आदि गणमान्य व्यक्तियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी और खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

क्राइम डायरी

शेयर मार्केट में निवेश के बहाने 29 लाख ठगे, महिला सहित सात आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद की आवज

फरीदाबाद। शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर ठगी के मामले में साइबर थाना बल्लभगढ की टीम ने गुरुवार को एक महिला सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सेक्टर-11डी, फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना बल्लभगढ में शिकायत दी जिसमें आरोप लगाया कि उसको ठगों द्वारा एक 'वर्मास बुक डिस्कशंस' के ग्रुप में जोडा गया। जहां पर क्यूआईबी और आईपीओ के माध्यम से लाभ कमाने बारे प्रशिक्षण दिया जाता था, 15 दिन के प्रशिक्षण के बाद क्यूआई ट्रैडिंग के लिए पंजीकरण के लिए कहा गया। जिसके बाद उसने ठगों द्वारा दी गई वेबसाइट पर 50 हजार रूपये देकर खाता खुलवाया। जहां रोज़ाना सुबह

भारतीय मार्केट और शाम को यूएसए मार्केट में क्यूआईबी ट्रैडिंग करवाई जाती थी। जिसके बाद ठगों द्वारा उसे आईपीओ में निवेश कर मुनाफा कमाने का लालच दिया, जिसके लिए उसने कुल 29 लाख 9 हजार 269 रू का निवेश किया। 11 जून को जब उसके ट्रैडिंग अकाउंट में 80 लाख रुपए दिख रहे थे, तब उसने 31 लाख रुपए निकालने का अनुरोध किया। जब उसने पैसे निकालने के लिए अकाउंट मैनेजर के पास मैसेज किया तो उसके किसी भी मैसेज का जवाब नहीं दिया गया। तब उसे पता चला कि यह एक साइबर फ्रॉड था। जिस शिकायत पर साइबर थाना बल्लभगढ में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। साइबर टीम ने मामले में कार्रवाई करते हुए अभिषेक कुमार (23) निवासी सैक्टर 58 गौतमबुद्ध नगर नोएडा उ0 प्र0 हाल युसुफपुर चकसवेरी नोएडा गौतमबुद्ध नगर उ0प्र0, शिवम कुमार (25) निवासी हनुमान नगर, युसुफपुर चकसवेरी नोएडा गौतमबुद्ध नगर उ0प्र0, असिम अंसारी(38) निवासी गाँव दरौदै जिला सिवान बिहार हाल आगापुर सैक्टर 16 नोएडा उ0प्र0, दीपांशु(19) निवासी राहुल विहार गाजियाबाद उ0प्र0, सुनील कुमार(44) वासी सैक्टर 8सी भोकारो स्टील सिटी झारखंड, जतिन गुप्ता (28) निवासी हैबोवाल खुर्द नियर ऋषि नगर लुधियाना पंजाब व रणजीत कौर (44) निवासी चिमनी रोड, न्यु शिमलापुरी लुधियाना पंजाब को गिरफ्तार किया है।पूछताछ में सामने आया कि सभी आरोपी ठगों के लिए खाता उपलब्ध करवाते थे। ये सभी पहले खाताधारकों को ढूंढते, फिर ये उनके खाता की किट लेकर खाताधारक को नोएड़ा लेकर आते और जब तक उनके खाता प्रयोग होता तब तक उन्हें अपने साथ रखते थे और फिर खाते का काम पूरा होने के उपरांत खाताधारक के वापिस भेज देते थे। सभी आरोपियों को माननीय अदालत में पेश कर जेल भेजा गया।

व्हाट्अप हैक कर लाखों की धोखाधड़ी, चार आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद की आवज

फरीदाबाद। व्हाट्सएप हैक कर धोखाधड़ी करने के मामले में साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने गुरुवार को पूर्व अकाउंटेंट सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि साइबर थाना बल्लभगढ में सेक्टर-6, दिल्ली निवासी एक व्यक्ति ने दी अपनी शिकायत में बताया कि वह सेक्टर-4 फरीदाबाद में एक कम्पनी में चीफ फाईनेसर के पद पर काम करता है। पिछले दिनों उसके पास कम्पनी के मैनेजिंग डायरेक्टर के नम्बर से एक लाख 79 हजार 546 रू व दो दिन बाद उसी नम्बर से पांच लाख 86 हजार 250 रू भेजने का मैसेज आया जिसपर बताये गये खातों में रूपये भी भेज दिए गये। बाद में जब कम्पनी के मैनेजिंग डायरेक्टर ने कम्पनी का खाता चैक किया गया तो पाया कि पांच लाख 86 हजार 250 रुपए की पेमेंट सुशांत नाम के व्यक्ति के खाता में व एक लाख 78 हजार 546 रुपए की पेमेंट राहुल ट्रेडिंग के नाम के खाता में की हुई है। जिसपर कम्पनी के अकाउंटेंट ने मैनेजिंग डायरेक्टर के नम्बर से पैसे ट्रांस्फर करने का मैसेज दिखाया, तो मैनेजर ने कहा कि उसने किसी भी पेमेंट के लिए मैसेज नहीं किया। जिस शिकायत पर साइबर थाना बल्लभगढ़ में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। साइबर थाना बल्लभगढ की टीम ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए अजय निवासी गाँव बुडकी जिला

आजमगढ़ उ0 प्र0 हाल मंगोलपुरी दिल्ली, सुशांत निवासी मंगोलपुरी, दिल्ली, रजनीश निवासी भरत कॉलोनी जिला पलवल व दुष्यंत कुमार निवासी भरत कॉलोनी जिला पलवल को गिरफ्तार किया है। प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया कि दुष्यंत पहले इसी कम्पनी में अंकाउटेंट के पद पर काम करता था, इसने पहले मैनेजिंग डायरेक्टर का व्हाटसएप हैक किया और फिर फर्जी बिल बना कर उसी व्हाट्सएप से कम्पनी के अंकाउट ब्रांच में फर्जी बिल भेज कर पेमेंट खातों में डलवाई। रजनीश ने सुशांत व अजय का खाता लेकर दुष्यंत को दिया था जिनके खाता में सात लाख 64 हजार 796 रुपये आये थे। आरोपी दुष्यंत को अदालत में पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है, अन्य तीन आरोपियों को जेल भेजा गया।

जेजेपी जिलाध्यक्ष और साथी पर हथियारबंद युवकों ने किया हमला

फरीदाबाद की आवज

फरीदाबाद। जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के जिला अध्यक्ष प्रदीप कुमार और उनके दोस्त आरिफ पर करीब 15-20 हथियारबंद लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रदीप कुमार ने गुरुवार को थाना प्रभारी को बताया कि घटना उस समय हुई जब वे अपने तीन दोस्तों आरिफ, परमिंदर और अशोक के साथ समर प्लम्स सोसाइटी लौट रहे थे। रास्ते में साई स्पोर्ट्स एकेडमी के पास एक खोखे के सामने एक लाल रंग की गाड़ी गलत दिशा से आकर उनकी कार के सामने रुक गई। गाड़ी से उतरे व्यक्ति ने आरिफ से बदतमीजी की और धर्म को लेकर आपत्तिजनक और भडक़ाऊ बातें कही। आरोपी ने आरिफ को आतंकी कहा और सभी

मुसलमानों को लेकर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। जब प्रदीप कुमार ने इस भाषा का विरोध किया, तो वह व्यक्ति फोन कर अपने 15-20 साथियों को मौके पर बुला लाया। कुछ ही देर में दर्जनों लोग वहां पहुंच गए जिनके पास लाठी और हथियार थे। हमलावरों ने पहले आरिफ पर हमला किया, फिर बीच-बचाव करने आए प्रदीप कुमार को भी पीटा गया। प्रदीप के हाथ में पहना सोने का कड़ा तोडऩे की कोशिश की गई और उनकी कार में रखे 50 हजार भी लूट लिए गए। आरिफ को जबरन गाड़ी में डालने और अगवा करने की भी कोशिश की गई, लेकिन शोर मचने पर हमलावर फरार हो गए। घटना के बाद प्रदीप कुमार ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और शिकायत दर्ज कराई, लेकिन कई घंटे तक पुलिस ने न तो कोई कार्रवाई की और न ही एफआईआर दर्ज की। मामला तब दर्ज किया गया जब पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला को इस बारे में जानकारी दी गई और उन्होंने खुद थाना प्रभारी को फोन कर दबाव बनाया। इसके बाद पुलिस हरकत में आई और एफआईआर दर्ज की गई।

सीबीआई अफसर बनकर लाखों की ठगी, खाताधारक गिरफ्तार

फरीदाबाद की आवज

फरीदाबाद। सीबीआई अफसर बनकर बेटे की गिरफ्तारी का डर दिखाकर लाखों रुपए की ठगी करने के एक मामले में साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने गुरुवार को खाताधारक को दौसा राजस्थान से गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि साइबर थाना बल्लभगढ़ में आदर्श नगर निवासी एक महिला ने शिकायत दी, जिसमें आरोप लगाया कि 17 फरवरी 2024 को उसके व्हाट्एप नम्बर पर एक कॉल आया जिसने खुद को सीबीआई ऑफिसर बताया। उसने बताया कि शिकायतकर्ता के बेटे को रेप के केस में गिरफ्तार किया गया है। अगर वह केस दर्ज होने से पहले उनके खाता में रूपये भेज देगी तो उसके बेटे को छोड़ दिया जायेगा।

वह घबरा गयी और उसने ठगों के खाते में तीन लाख 19 हजार 999 रू भेज दिये। शिकायत पर साइबर थाना बल्लभगढ़ में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने कार्रवाई करते हुए सूरज (24) निवासी गाँव हिंगोटा जिला दौसा, राजस्थान को गिरफ्तार किया है। प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने अपना खाता नम्बर ठगों को दे रखा था। वह खुद ही अपने खाते को ऑपरेट करता था, इसमें आये रूपयों को निकलवाकर ठगों द्वारा बताये गये दूसरे खातों में डलवा देता था। इसके खाते में ठगी के एक लाख 75 हजार रुपए आये थे। आरोपी को अदालत में पेश कर पांच दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

घर की बालकनी में लगा दिए ये 4 पौधे, तो खुशबू से महक उठेगा आपका पूरा घर

घर को खूबसूरत बनाने के लिए लोग बहुत मेहनत करते हैं और अब आप अपने घर को खुशबू से भी महका सकते हैं। जी हां, अगर आप चाहते हैं कि आपका घर न केवल देखने में सुंदर हो बल्कि उसमें खुशबू भी फैले तो आपको अपनी बालकनी में कुछ खास पौधे लगाने चाहिए। इन खुशबूदार पौधों से ना केवल आपके घर की खूबसूरती बढ़ेगी, बल्कि इनकी महक से आपका मन भी प्रसन्न रहेगा। आइए जानते हैं, ऐसे चार खुशबूदार पौधों के बारे में जिन्हें आप अपनी बालकनी में लगा सकते हैं।

मोगरे का पौधा

अगर आप अपनी बालकनी में मोगरे का पौधा लगाते हैं, तो इसके फूलों की खुशबू पूरे घर में फैल जाएगी। मोगरे के फूलों की सुगंध इतनी प्यारी और मधुर होती है कि यह किसी को भी आकर्षित कर सकती है। मोगरे का पौधा बालकनी में लगाने से आपके घर के हर कोने में उसकी खुशबू पहुंच जाएगी, चाहे वह मेन दरवाजा हो या पीछे का दरवाजा। इसकी खुशबू आपके घर को एक अलग ही माहौल देगी।

चमेली का पौधा

चमेली के फूलों की खुशबू बहुत ही मनमोहक होती है। जब आप अपनी बालकनी में चमेली का पौधा लगाते हैं, तो यह आपके पूरे घर को महकाने में मदद करता है। चमेली के फूलों की महक आपके दिन को बेहतर बना सकती है और आपको ताजगी का अहसास करवा सकती है। इसे आप किसी सुंदर गमले में लगाकर अपनी बालकनी के किनारे पर रख सकते हैं। इस पौधे के फूलों से आपके घर में एक नई ऊर्जा और खुशबू का अहसास होगा।

रजनीगंधा का पौधा

रजनीगंधा के फूलों की खुशबू खासतौर पर रात के समय और भी ज्यादा तेज हो जाती है। रात के समय इसकी सुगंध इतनी ताजगी से भरी होती है कि आपको एक आरामदायक और चैन की नींद आती है। रजनीगंधा का पौधा बालकनी में रखने के साथ-साथ आप इसे घर के अंदर भी रख सकते हैं। इस पौधे को छायादार जगह पर भी लगाया जा सकता है, और यह कम रोशनी में भी अच्छी तरह से पनपता है। इसकी खुशबू आपके घर के वातावरण को शांति और सुखमय बना सकती है।

गुलाब का पौधा

गुलाब के फूलों की खुशबू बहुत ही लुभावनी होती है। गुलाब का पौधा आपके घर की बालकनी में लगाए तो यह न केवल आपके घर को महकाएगा, बल्कि घर की सुंदरता भी बढ़ाएगा। गुलाब के विभिन्न रंगों के फूल आपकी बालकनी को और भी खूबसूरत बना सकते हैं। गुलाब के फूलों की महक से पूरा घर महक उठेगा और यह आपकी हर एक सांस में समा जाएगी। गुलाब का पौधा किसी भी प्रकार के मौसम में बहुत अच्छे से पनपता है और यह आपके घर को ताजगी से भर सकता है।

खुशबू का मानसिक और शारीरिक प्रभाव

इन पौधों की खुशबू आपके मूड को भी फ्रेश कर सकती है। इनकी महक से आपका मानसिक तनाव कम हो सकता है और एक सुखद माहौल बन सकता है। जब आप इन पौधों के बीच बैठते हैं तो यह न केवल आपके घर को खुशबूदार बनाएंगे, बल्कि यह आपके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करेंगे। यह पौधे आपके घर में न केवल ताजगी और खूबसूरती लाते हैं, बल्कि आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को भी लाभ पहुंचाते हैं।

आप इन चार पौधों को अपनी बालकनी में लगाकर घर को न केवल खूबसूरत बना सकते हैं, बल्कि इनकी खुशबू से आपका मन भी शांत रहेगा। तो अपनी बालकनी में इन पौधों को लगाकर अपने घर को खुशबूदार बनाएं और हर दिन एक ताजगी का अनुभव करें।

अनारकली सूट में दिखना है स्टनिंग तो अपनाएं ये फैशन हैक्स

अनारकली सूट के साथ दुपट्टा कैरी करते समय थोड़ा स्मार्टली प्ले करें। मसलन, अगर अनारकली पर हैवी एंब्रायडरी है, दुपट्टा लाइट रखें। वहीं, अगर अनारकली सिंपल या एक रंग की है, तो उस पर बनारसी, फुलकारी, गोटा-पट्टी या मिरर वर्क वाला दुपट्टा बहुत अच्छा लगता है।

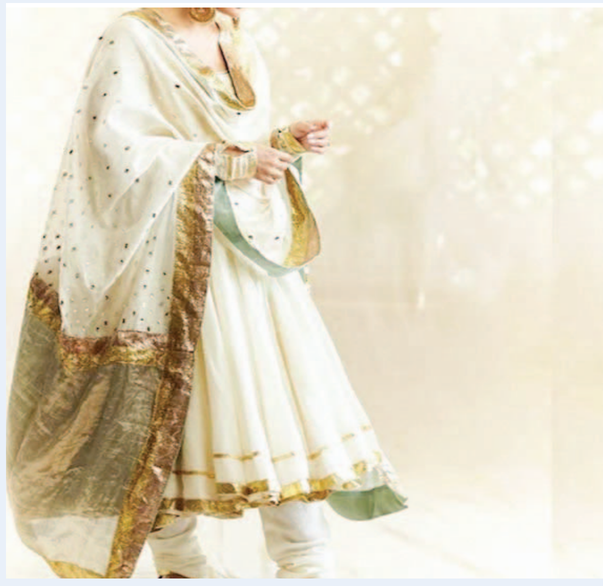

जब भी किसी वेडिंग फंक्शन या फैमिली पार्टी के लिए तैयार होने की बात होती है तो अक्सर हम सभी एथनिक वियर पहनना पसंद करती है। इन एथनिक वियर में अनारकली सूट भी एक बेहतरीन एथनिक वियर ऑप्शन माना जाता है। यह एक ऐसा आउटफिट है, जो आपको एलीगेंट लेकिन रॉयल लुक देता है और शायद यही वजह है कि हर लड़की की वार्डरोब में अनारकली सूट होता ही है। यूं तो अनारकली सूट को ऐसे ही कैरी किया जा सकता है। लेकिन अगर इसके साथ कुछ आसान फैशन हैक्स को अपनाया जाए तो आप एक ही सूट को हर बार एक अलग तरह से कैरी कर सकती हैं। इतना ही नहीं, सिंपल सा अनारकली सूट भी आपके लुक को काफी एन्हॉन्स कर सकता है। अनारकली सूट को स्टाइल करते समय बस आपको कुछ छोटे-छोटे टिप्स पर ध्यान देने की जरूरत है, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बता रहे हैं-

दुपट्टे को यूं करें स्टाइल

अनारकली सूट के साथ दुपट्टा कैरी करते समय थोड़ा स्मार्टली प्ले करें। मसलन, अगर अनारकली पर हैवी एंब्रायडरी है, दुपट्टा लाइट रखें। वहीं, अगर अनारकली सिंपल या एक रंग की है, तो उस पर बनारसी, फुलकारी, गोटा-पट्टी या मिरर वर्क वाला दुपट्टा बहुत अच्छा लगता है। आप दुपट्टे को एक तरफ कंधे पर पिन कर दो और दूसरी तरफ ढीला छोड़ दो। इससे एक रॉयल लुक मिलता है। या फिर अगर आप चाहें तो कमर पर बेल्ट लगाकर दुपट्टा फिक्स किया जा सकता है। यह ना केवल स्टाइलिश लगता है, बल्कि दुपट्टे को मैनेजर करना भी आसान हो जाता है।

फुटवियर पर करें फोकस

जब आप अनारकली सूट पहन रही हैं तो उसके साथ हील्स को जरूर पहनें। फ्लैट्स से अनारकली में आपकी हाइट कम महसूस हो सकती है। अगर आप पेंसिल हील्स पहनने में कंफर्टेबल नहीं है तो ऐसे में ब्लॉक हील्स, मोजड़ी हील्स या कोल्हापुरी वेजेस पहने जा सकते हैं। वहीं, अगर आपको इसे लंबे टाइम तक पहनना है, तो कुशन वाले प्लेटफॉर्म हील्स को चुना जा सकता है। यह आपको कंफर्ट और ग्रेस दोनों देगा।

समझदारी से स्टाइल करें ज्वेलरी

अनारकली सूट के साथ एक्सेसरीज को थोड़ा स्मार्टली कैरी करना चाहिए। मसलन, अगर अनारकली सूट की नेकलाइन हाई है तो ऐसे में नेकपीस पहनने से बचें। इसकी जगह बस आप बड़े झुमके या चांदबालियां स्टाइल कर लें। वहीं, अगर नेकलाइन डीप है, तो सिंपल पेंडेंट और छोटे स्टड्स भी काफी अच्छे लगते हैं। इसके अलावा, दोनों हाथों को चूड़ियों से भरने की गलती ना करें। एक हाथ में स्टेटमेंट कड़ा रखो, दूसरे में वॉच।

अब मलाई से घी बनाना नहीं झंझट वाला काम, जानिए 2 मिनट की आसान ट्रिक

आज के समय में खाने-पीने की चीजों में मिलावट आम बात हो गई है। बाजार में मिलने वाला घी कितना शुद्ध है ये जानना मुश्किल हो गया है। इसलिए लोग अब कोशिश करते हैं कि जो चीज घर पर बन सके, उसे घर में ही तैयार करें। खासकर महिलाएं जो शुद्धता को लेकर ज्यादा सजग होती हैं वो मलाई से घर का घी बनाना पसंद करती हैं। हालांकि कई लोगों को लगता है कि मलाई से घी निकालना एक लंबा और झंझट भरा काम है। लेकिन अगर सही तरीका अपनाया जाए तो ये काम न सिर्फ आसान बल्कि बहुत जल्दी हो सकता है।

हाल ही में एक ऐसी ट्रिक सामने आई है, जिससे सिर्फ 2 मिनट में घी निकाला जा सकता है वो भी बिना ज्यादा झंझट के।

कैसी मलाई लेनी चाहिए घी बनाने के लिए?

घी बनाने के लिए मलाई का सही होना सबसे जरूरी है। गीता चौधरी बताती हैं कि आपको 5 से 6 दिन पुरानी मलाई लेनी चाहिए। इससे ज्यादा पुरानी मलाई का इस्तेमाल ना करें, क्योंकि इससे घी की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। आप चाहें तो हर दिन दूध उबालकर थोड़ा ठंडा करके फ्रिज में रखें, जिससे ऊपर एक अच्छी परत मलाई की जम जाती है। यही सबसे बढ़िया तरीका है ताजा मलाई इकट्ठा करने का।

मलाई को गर्म करने का सही तरीका

जब आपके पास पर्याप्त मलाई इकट्ठा हो जाए, तो उसे एक गहरे बर्तन में निकाल लें। अब इस मलाई को एक चम्मच से अच्छे से मिला लें ताकि जो भी गांठें बनी हों वो हट जाएं। इसके बाद, मलाई को हल्का सा गर्म करें बिलकुल उतना जितना दही जमाने के लिए दूध गर्म किया जाता है। इसका मकसद है मलाई को थोड़ा मुलायम और तैयार करना।

अब लगाएं दही जमाने वाली ट्रिक

इस स्टेप को खास मानती हैं। वे कहती हैं गर्म की गई मलाई में अब थोड़ा छाछ या जामन मिलाएं। जामन मिलाते वक्त ध्यान रखें कि मलाई ज्यादा गर्म ना हो सिर्फ इतनी गर्म हो कि आपकी उंगली उसमें आराम से जा सके। गीता ने बताया कि उन्होंने लगभग 2.5 चम्मच छाछ डाली थी। अगर आपकी छाछ खट्टी है, तो 2 चम्मच ही काफी होगी। अब इस बर्तन को 5-6 घंटे या पूरी रात के लिए ढक कर रख दें। इससे यह दही की तरह जम जाएगी।

2 मिनट में मक्खन कैसे निकालें?

जब मलाई दही की तरह जम जाए, तब आपको ज़्यादा मेहनत नहीं करनी। जमने के बाद इस दही में ठंडा पानी और बर्फ डाल दें। अब लकड़ी की मथनी (या रवी/चरणी) से इसे मथें। ध्यान रहे, आपको मिक्सर चलाने की कोई जरूरत नहीं पड़ेगी। सिर्फ 2 मिनट मथने के बाद, मक्खन और छाछ अलग हो जाएंगे। यह तरीका खास तौर पर गर्मियों के मौसम में बेहद फायदेमंद है क्योंकि इसमें ना ज़्यादा वक्त लगता है, ना ही आपको किचन की गर्मी में पसीना बहाना पड़ता है।

अब घी बनाने की बारी

मक्खन तैयार हो जाने के बाद अब आखिरी स्टेप घी निकालने की है। मक्खन को एक गहरे बर्तन में डालें और धीमी आंच पर गर्म करें। थोड़ी ही देर में शुद्ध घी तैयार हो जाएगा, जिसे आप छानकर स्टोर कर सकती हैं। इस ट्रिक से बनाए गए घी को कोई पहचान नहीं सकता कि ये मलाई से निकाला गया है या बाजार से खरीदा गया है। साथ ही, एक और आसान तरीका है कुकर में घी बनाना, जो तेज़ और सुरक्षित रहता है। मलाई से घी निकालना अगर सही तरीके से किया जाए, तो यह न तो समय लेने वाला है और न ही झंझट वाला।

शादी के बाद ज्यादा फिल्मों के ऑफर नहीं मिले हैं

फिल्म इंडस्ट्री में बेशक बदलाव आया है। हीरोइनों को अब पहले से मजबूत भूमिकाएं मिल रही हैं। शादी और बच्चों के बाद भी वे इंडस्ट्री में एक्टिव हैं। मगर, एक सच्चाई ये भी है कि शादी के बाद जहां अभिनेताओं के करियर पर बड़ा असर नहीं होता, लेकिन अभिनेत्रियों का करियर किसी न किसी रूप में प्रभावित होता है। शादी के बाद अदिति राव हैदरी भी कुछ ऐसा ही महसूस कर रही हैं।

शादी के बाद कैसा है अदिति का करियर?

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी और एक्टर सिद्धार्थ ने बीते वर्ष सितंबर में शादी रचाई। काफी वक्त एक-दूसरे को डेट करने के बाद कपल शादी के बंधन में बंधा। हाल ही में अदिति राव हैदरी शादी के बाद अपने करियर को लेकर बात करती दिखीं। उन्होंने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में एक बातचीत में अदिति राव हैदरी ने खुलासा किया कि शादी के बाद से उन्हें बहुत ज्यादा फिल्मों के ऑफर नहीं मिले हैं। अपनी खूबसूरती और बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाने वाली अदिति की इस टिप्पणी से पता चलता है कि निजी जिंदगी में माइलस्टोन के बाद अभिनेत्रियों को अक्सर इंडस्ट्री में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

नजरिया बदलने की जरूरत

अदिति की लोकप्रियता और अदाकारी को देखते हुए दर्शकों के लिए इस पर यकीन करना शायद मुश्किल हो कि उन्हें फिल्मों के कम ऑफर मिल रहे हैं। हालांकि, वे अपने करियर को लेकर सकारात्मक हैं। फिर भी अदिति की टिप्पणी ने इस बात पर जोर दिया है कि शादी के बाद अभिनेत्रियों के प्रति नजरिया बदलने की जरूरत है। अदिति को बीते वर्ष सीरीज हीरमंडी में देखा गया। इसमें उन्होंने बिब्बोजान का किरदार निभाया था।

मीना कुमारी की बायोपिक में नजर आ सकती हैं कियारा

मीना कुमारी की बायोपिक की घोषणा के बाद से ही कई बड़ी एक्ट्रेसेस इस फिल्म का हिस्सा बनने की दौड़ में हैं। अब खबर है कि इस आइकोनिक रोल के लिए मेकर्स ने कियारा आडवाणी को अप्रोच किया है। इस मेगाबजट फिल्म के राइट्स सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने सारेगामा और अमरोही परिवार के साथ मिलकर खरीदे हैं। बड़े स्तर पर बनाई जा रही इस फिल्म को लेकर पहले से ही जबरदस्त चर्चा है। सूत्रों के मुताबिक, फिल्म की टीम मानती है कि मीना कुमारी जैसी दिग्गज अदाकारा का किरदार निभाने के लिए कियारा एक बेहतरीन चॉइस हैं।

स्क्रिप्ट कियारा को सुनाई जा चुकी है और उन्हें कहानी काफी पसंद भी आई है। हालांकि अभी उन्होंने आधिकारिक तौर पर हामी नहीं भरी है। अगर कियारा इस प्रोजेक्ट के लिए हां करती हैं, तो यह उनकी प्रेग्नेंसी के बाद शूट होने वाली पहली फिल्म हो सकती है, जो इस प्रोजेक्ट को और खास बना देती है। कियारा के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स पर नजर डालें तो 'वार 2', 'टॉक्सिक' और अब मीना कुमारी की बायोपिक उनकी फिल्मों की लाइनअप वाकई दमदार दिख रही है। अब एक बड़ा सवाल ये भी है कि फिल्म में कमाल अमरोही का किरदार कौन निभाएगा? क्योंकि मीना कुमारी और कमाल अमरोही की कहानी में उनकी केमिस्ट्री ही फिल्म की जान होगी।

भोजपुरी फिल्म

रूद्र-शक्ति में साथ आए अक्षरा और विक्रांत सिंह

भोजपुरी सिने जगत की खूबसूरत अदाकारा अक्षरा सिंह और जीआरपी स्टार विक्रांत सिंह राजपूत जल्द ही बड़े पर्दे पर साथ में नज़र आने वाले हैं। आज इसकी घोषणा कर दी गयी है. दोनों बिभूति एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनने वाली नई फिल्म रूद्र-शक्ति में साथ नज़र आयेंगे, जिसमें एक सशक्त कहानी और दमदार अभिनय का संगम देखने को मिलेगा। फिल्म रूद्र-शक्ति को निशांत सी. शेखर निर्देशित कर रहे हैं, जिनका विज़न आधुनिक और पारंपरिक कथानक के समन्वय पर आधारित है। फिल्म का पहला पोस्टर आज जारी किया गया, जिसमें ईश्वरीय शक्ति, स्त्री सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता का संदेश झलकता है। यह पोस्टर दर्शकों में गहरी उत्सुकता जगा रहा है और इसकी कहानी को लेकर पहले ही चर्चाएं शुरू हो चुकी हैं।

फिल्म में शक्ति की भूमिका निभा रही हैं अक्षरा सिंह ने कहा — यह किरदार सिर्फ एक अभिनय का अवसर नहीं, बल्कि एक सामाजिक जिम्मेदारी है। शक्ति एक ऐसी महिला है जो नारीत्व की सच्ची ताकत को दर्शाती है। दर्शक मुझे इस नए अवतार में जरूर पसंद करेंगे, क्योंकि इसमें आत्मबल, करुणा और विद्रोह तीनों एक साथ मिलते हैं। वहीं विक्रांत सिंह राजपूत ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा — इस फिल्म में मेरा किरदार कई भावनात्मक रंगों से भरा है। रूद्र सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि एक विचार है — न्याय, संघर्ष और आत्मपरिवर्तन का। अक्षरा के साथ काम करना हमेशा प्रेरणादायक रहा है और निशांत जी के निर्देशन में हर दृश्य जीवंत महसूस हुआ। रूद्र-शक्ति 18 जुलाई 2025 को रिलीज होगी, और इसके संगीत का जिम्मा टक धूम म्यूज़िक के पास है।

इंडस्ट्री में संघर्ष पर छलका सानविका का दर्द

अभिनेत्री सानविका ने प्राइम वीडियो की चर्चित सीरीज पंचायत में रिंकी का रोल अदा कर खूब लोकप्रियता हासिल की है। चौथे सीजन में सचिव जी (जितेंद्र कुमार) के साथ उनकी लव स्टोरी बढ़ती नजर आएगी। हाल ही में सानविका ने इंडस्ट्री में अपने संघर्ष पर बात की।

इनसाइडर होने की जताई इच्छा

सानविका आउटसाइडर हैं। उन्होंने पंचायत सीरीज में रिंकी के रोल के जरिए पहचान बनाई है। मगर, इस रास्ते उन्हें खूब संघर्ष करना पड़ा है। उनका हालिया पोस्ट यही इशारा कर रहा है, जिसमें वे खुद के इनसाइडर होने की कामना कर रही हैं। सानविका का कहना है कि काश वे इनसाइडर होतीं या फिर एक मजबूत बैकग्राउंड से होतीं।

... तो आसान होतीं चीजें

सानविका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें वे लिखती हैं, कभी-कभी यह सोचती हूं कि काश मैं एक इनसाइडर होती। या किसी बहुत मजबूत बैकग्राउंड से आई होती तो चीजें बहुत आसान होतीं। शायद ऐसा होता, मुझे नहीं मालूम। शायद सम्मान पाने और समान व्यवहार पाने जैसी बुनियादी चीजें आसान होतीं। संघर्ष और बराबरी की लड़ाई थोड़ी कम होती।

फुलेरा में होगा प्रधानी का चुनाव

बता दें कि सानविका का असली नाम पूजा सिंह है। प्राइम वीडियो की चर्चित सीरीज पंचायत का चौथा सीजन दस्तक देने वाला है। इस बार सीरीज में फुलेरा गांव में प्रधानी का चुनाव देखने को मिलेगा। मंजू देवी और क्रांति देवी के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी।

कब रिलीज होगा चौथा सीजन?

पंचायत सीजन 4 24 जून से स्ट्रीम होगा। शो में जितेंद्र कुमार सचिव की भूमिका में नजर आएंगे। शो के चौथे सीजन में भी नीना गुप्ता, रघुबीर यादव, फैसल मलिक और चंदन रॉय जैसे सितारे नजर आएंगे।

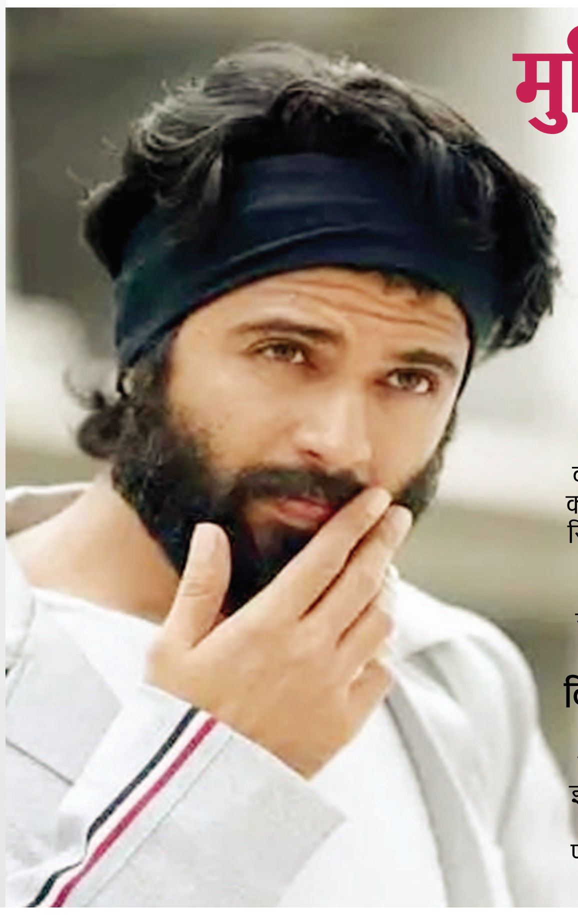

मुश्किल में साउथ के एक्टर विजय देवरकोंडा, दर्ज हुई शिकायत

अभिनेता विजय देवरकोंडा मुश्किल में आ गए हैं। उनके खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत शिकायत दर्ज की गई है। इल्जाम है कि वियज देवरकोंडा ने कथित तौर पर आदिवासी समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली बयानबाजी की।

रायदुर्गम पुलिस स्टेशन में दर्ज हुई शिकायत यह शिकायत ज्वाइंट एक्शन कमेटी ऑफ ट्राइबल कम्युनिटी के अध्यक्ष नेनावथ अशोक कुमार ने दर्ज कराई है। उन्होंने दावा किया कि फिल्म रेट्रो के प्री-रिलीज कार्यक्रम के दौरान देवरकोंडा की टिप्पणियां आपत्तिजनक थीं। इनसे आदिवासी समुदाय का अपमान हुआ। साइबराबाद के रायदुर्गम पुलिस स्टेशन में देवरकोंडा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और जांच चल रही है।

विजय देवरकोंडा ने की विवादित टिप्पणी

आपको बता दें कि हैदराबाद में रेट्रो फिल्म के प्रमोशन के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में विजय देवरकोंडा को मुख्य अतिथी के तौर पर बुलाया गया था। उस वक्त कश्मीर के पहलगाम में हमला हुआ था। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद चर रहा था। ऐसे में विजय पाकिस्तान के खिलाफ बोल रहे थे। इसी कड़ी में उन्होंने विवादित टिप्पणी करते हुए कहा जैसे पहले आदिवासी कबीले लड़ते थे, वैसे ही अब भारत और पाकिस्तान लड़ रहे हैं। यह बात संगठन ज्वाइंट एक्शन कमेटी ऑफ ट्राइबल कम्युनिटी को पसंद नहीं आई।

संगठन ने विजय की टिप्पणी की आलोचना करते हुए इसे आदिवासियों का अपमान बताया है। उन्होंने कहा आदिवासी समुदाय का हजारों साल पुराना समृद्ध इतिहास है। पर्यावरण संरक्षण में उनकी विशेष भूमिका है। उन्होंने मांग की है कि अभिनेता बोलते समय तथ्यों पर विचार करें। विजय देवरकोंडा की टिप्पणियों को लेकर आदिवासी और जनजातीय समूहों ने पूरे राज्य में आंदोलन किया है। कई जगहों पर पुलिस को शिकायतें मिली हैं। अब रायदुर्गम पुलिस ने विजय देवरकोंडा के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

फिल्म रेट्रो कार्तिक सुब्बाराजू द्वारा निर्देशित और सूर्या द्वारा अभिनीत फिल्म है। यह फिल्म 1 मई को रिलीज हुई थी। इसमें पूजा हेगड़े ने नायिका की भूमिका निभाई थी। फिल्म का प्री-रिलीज इवेंट 26 अप्रैल को हैदराबाद में आयोजित किया गया था।

लोगों से जुड़ती है मेट्रो इन दिनों की कहानी

अनुपम खेर ने की निर्देशक अनुराग बसु की तारीफ

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर अनुपम खेर इन दिनों अनुराग बसु की फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। अभिनेता फिल्म के प्रमोशन में जुटे हुए हैं। फिल्म की रिलीज से पहले उन्होंने अमर उजाला डिजिटल से खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने न सिर्फ अपनी आने वाली फिल्मों पर बात की, बल्कि इंडस्ट्री से जुड़े कुछ गंभीर मुद्दों पर भी अपनी राय बेबाक अंदाज में रखी।

'मेट्रो इन दिनों' है जिंदगी की एक खूबसूरत जर्नी

जब अनुपम खेर से पूछा गया कि वह फिल्म मेट्रो इन दिनों की जर्नी को कैसे बयां करेंगे, तो उन्होंने कहा, 'पता ही नहीं लगा कि कब यह जर्नी शुरू हुई और कब चलती रही। जिस जर्नी का पता नहीं चलता, वही सबसे अच्छी होती है। चाहे आप किसी पार्ट कम्पार्टमेंट में बैठे हो या फर्स्ट क्लास में, या एसी में – अगर सफर अच्छा है तो डेस्टिनेशन भी अच्छा ही होगा। यही इस फिल्म का अनुभव है। यह फिल्म हर किसी से किसी न किसी रूप में जुड़ती है। इसकी कहानी ऐसी है जो लोगों से जुड़ती है, क्योंकि वह अनुभव निर्देशक का है। अनुराग के साथ काम करना हमेशा वंडरफुल होता है। अनुराग बसु के बारे में बात करते हुए अनुपम ने कहा, 'मुझे नहीं पता था कि वह जितनी अच्छी फिल्में बनाते हैं, उतना अच्छा खाना भी बनाते हैं। वह बहुत ही मल्टी टैलेंटेड हैं। डांस भी करते हैं, गाना भी गाते हैं और खाना तो कमाल का बनाते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि सेट पर भी वह ऐसा माहौल रखते हैं कि कोई स्ट्रेस नहीं होती। कुछ डायरेक्टर सेट पर आते ही एक दबाव बना देते हैं, लेकिन अनुराग बिलकुल अलग हैं। वो कभी नहीं जताते कि वह कोई बहुत कमाल की फिल्म बना रहे हैं। फिल्म बनने के बाद भी जब पूछो कैसी बनी है, तो बस इतना ही कहते हैं ठीक है, देखते हैं।'

वर्क-लाइफ बैलेंस जरूरी, पर मेहनत की अहमियत न भूलें

आजकल के आर्टिस्ट के लिए वर्क-लाइफ बैलेंस एक अहम बात बन गई है। इस पर अनुपम ने कहा, 'उन ऐक्टर्स से जाकर बात करनी चाहिए जो वर्क-लाइफ बैलेंस की बात करते हैं। पता नहीं इतने वर्षों बाद भी वो लोग काम कर रहे होंगे या नहीं। मैं ये बात घमंड से नहीं कह रहा, लेकिन हमने बहुत लोगों को आते-जाते देखा है। हमें काम की अहमियत भी पता है और उस मेहनत की भी जो इसके पीछे लगती है। सफलता को कभी भी पक्का नहीं मानना चाहिए। काम के प्रति सम्मान और लगातार मेहनत ही आपकी पहचान बनाती है। अनुपम खेर ने साफ कहा कि उन्हें अवॉर्ड्स मिलने की खुशी होती है और न मिलने पर तकलीफ भी। उन्होंने कहा, 'बचपन से हमें सिखाया गया था कि मेहनत करोगे, तेज दौड़ोगे, तो फर्स्ट आओगे और अवॉर्ड मिलेगा। मैं उन लोगों में से नहीं हूं जो कहते हैं कि अवॉर्ड्स जरूरी नहीं होते। मुझे अच्छा लगता है जब अवॉर्ड मिलता है। और जब नहीं मिलता, तो तकलीफ भी होती है। उन्होंने माना कि कई बार उन्हें अच्छे काम के बावजूद अवॉर्ड नहीं मिला। खोसला का घोंसला' और 'स्पेशल 26' इन दोनों फिल्मों के लिए मुझे कोई अवॉर्ड नहीं मिला। थोड़ा अफसोस जरूर होता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप मेहनत करना छोड़ दें। इतने वर्षों के अनुभव के बावजूद अनुपम खेर मानते हैं कि उन्हें आज भी फिल्मों की रिलीज से पहले नर्वसनेस होती है। उन्होंने कहा कि हर बार होता है। चाहे थिएटर का प्ले हो, फिल्म का ट्रेलर लॉन्च हो या रिलीज घबराहट होती है, क्योंकि आपने मेहनत की है और चाहते हैं कि फिल्म लोगों तक पहुंचे, पसंद की जाए।

तन्वी द ग्रेट के लिए उत्साहित हैं अनुपम

अपने आने वाले प्रोजेक्ट पर बात करते हुए अनुपम खेर ने बताया कि उन्होंने एक फिल्म डायरेक्ट की है – तन्वी द ग्रेट। इस फिल्म को लेकर बहुत मैं बहुत एक्साइटेड हूं। यह मेरी डायरेक्ट की हुई फिल्म है और 18 जुलाई को रिलीज होगी।

घाटी में पर्यटन को फिर से जीवंत बनाने के लिए हमारी सरकार नई नीति पर काम कर रही : उमर अब्दुल्ला

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राज्य को फिर से भारत के प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए सभी हितधारकों के सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में सरकार और पर्यटन उद्योग दोनों की साझेदारी अनिवार्य है। उमर अब्दुल्ला ने कहा, यह हमारा दायित्व है कि हम अपनी पूरी शक्ति और क्षमता के साथ प्रयास करें, ताकि घाटी अपनी पुरानी पहचान को फिर से हासिल कर सके और देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में अग्रणी बना रहे। उन्होंने बताया कि सरकार राज्य में पर्यटन को फिर से जीवंत बनाने के लिए नई और समग्र रणनीति पर काम कर रही है, जिसका उद्देश्य पर्यटकों को बेहतर अनुभव देना है। इस दौरान उमर ने अपनी सरकार की प्राथमिकताएं बताई। उन्होंने कहा कि सुरक्षा और सुविधाओं में सुधार, स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देना, सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत का संरक्षण, इको-टूरिज्म और साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देना है। सीएम अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक समृद्धि और अतुलनीय आतिथ्य परंपरा इसे विश्व स्तर पर एक अनोखा पर्यटन केंद्र बनाते हैं। उन्होंने सभी उद्योग संगठनों, निवेशकों और स्थानीय व्यवसायियों से आह्वान किया कि वे इस प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनें।

संसदीय समिति पहलगाम का दौरा करेगी, जम्मू में होगी बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रशासनिक एवं सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा करने एक संसदीय समिति पहलगाम आतंकी हमले के प्रभावित क्षेत्र का दौरा करेगी। घटना के बाद यह पहला आधिकारिक दौरा होगा। वरिष्ठ भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर की अध्यक्षता में कोयला, खान और इस्पात विभाग-संबंधित संसदीय स्थायी समिति एक व्यापक अध्ययन यात्रा करेगी। ये समिति मुंबई, कुर्ग और श्रीनगर में भी रुकेगी। अपनी यात्रा के कश्मीर चरण के हिस्से के रूप में समिति के सदस्य पहले जम्मू जाएंगे, जहां वे शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों के साथ प्रारंभिक बैठकें करेंगे। जम्मू में अपने प्रवास के दौरान प्रतिनिधिमंडल का श्रीनगर जाने के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस में सवार होने से पहले माता वैष्णो देवी मंदिर का दौरा करने का भी कार्यक्रम है। श्रीनगर में समिति क्षेत्रीय विकास, सुरक्षा चिंताओं और नागरिक जीवन और पर्यटन पर आतंकवाद के प्रभाव पर चर्चा करने के लिए आगे की बैठकें आयोजित करेगी। श्रीनगर में अपनी बैठकों के बाद, समिति बैसरन घाटी में आतंकवादी हमले के वास्तविक स्थल का दौरा करने के लिए पहलगाम की यात्रा करेगी। इस हाई-प्रोफाइल दौरे के सुचारू समन्वय को सुनिश्चित करने के लिए, जम्मू-कश्मीर सरकार ने भूविज्ञान और खनन निदेशक एस.पी. रुकवाल को आधिकारिक समन्वयक नियुक्त किया है।

इंडिगो फ्लाइट में आई खराबी, मलेशिया में उतारा, कई यात्री फंसे

लुधियाना (एजेंसी)। सिंगापुर से दिल्ली आ रही इंडिगो की फ्लाइट की तकनीकी खराबी के चलते मलेशिया में आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। यह घटना से यात्री घबराए गए। विमान में सवार 227 यात्री कई घंटों से मलेशिया में फंसे हैं और अब तक एयरलाइंस की ओर से कोई ठोस जानकारी नहीं दी गई है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि तकनीकी खराबी के कारण विमान को मलेशिया में उतारा गया है और तब से सभी यात्री वहीं इंतज़ार कर रहे हैं। अब खबर मिल रही है कि इंडिगो ने आधिकारिक घोषणा किए बिना ही बेंगलुरु से एक नया विमान मलेशिया भेजा है, ताकि फंसे यात्रियों को वापस भेजा जा सके। फंसे यात्रियों और उनके परिजनों ने सोशल मीडिया पर इंडिगो की अनदेखी और गैर-जिम्मेदाराना रवैये को लेकर नाराजगी जताई है। कई लोगों ने पूछा है कि आखिर एयरलाइंस इतने बड़े संकट में भी अपनी जिम्मेदारी निभाने में नाकाम क्यों है।

महिला ने साधु पर दुष्कर्म करने और गर्भपात कराने का लगाया आरोप

कोलकाता, (एजेंसी)। बंगाल में एक साधु के महिला से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। महिला ने स्वामी प्रदिप्तानंदा पर दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। स्वामी प्रदिप्तानंदा को कार्तिक महाराज के नाम से भी जाना जाता है। कार्तिक महाराज भारत सेवाश्रम संघ की मुर्शिदाबाद स्थित बेल्डांगा यूनिट से जुड़े हुए हैं। पुलिस के मुताबिक यह मामला करीब 12 साल पुराना है। वहीं, कार्तिक महाराज ने महिला के आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने इसे उन्हें बदनाम करने की साजिश बताया है। बता दें हाल ही में कोलकाता में एक लॉ कॉलेज में छात्रा के साथ गैंगरेप का मामला गर्माया हुआ है और अब एक महिला ने साधु पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। पुलिस में दर्ज एफआईआर के मुताबिक महिला ने दावा किया है कि यह मामला साल 2012 का है। तब वह पहली बार महाराज से मिली थी और उन्होंने टीचर की नौकरी ऑफर की थी। महिला के मुताबिक उसने यह नौकरी स्वीकार कर ली थी। महिला के मुताबिक उसे स्कूल के अंदर ही पांचवीं मंजिल पर एक कमरा दिया गया था। कार्तिक महाराज उसे अक्सर अपने ऑफिस में बुलाया करते थे। कई मौकों पर उन्होंने उसका यौन उत्पीड़न किया। कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया। साधु ने उसे हर महीने पैसे भेजने का भी वादा किया था।

स्कूटी टच होने पर 20 साल के युवक की चाकू से गोदकर हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के गीता कॉलोनी में स्कूटी टच होने पर एक 20 वर्षीय युवक की हत्या कर दी गई थी। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। तीनों में एक आरोपी नाबालिग है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। इसी बीच गुस्साई भीड़ नाबालिग आरोपी के घर पहुंचकर मीटर, स्विच बोर्ड को तोड़ने के साथ घर में भी तोड़फोड़ कर दी। इतना ही नहीं भीड़ ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की।

कोलकाता के लॉ कॉलेज में छात्रा से गैंगरेप की मेडिकल जांच में हुई पुष्टि

-टीएमसी सांसद ने कहा घटना शर्मनाक, दोषियों को मिले सख्त सजा

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के एक लॉ कॉलेज में गैंगरेप की घटना सामने आई है। कॉलेज में पढ़ने वाली 24 साल की छात्रा ने तीन लोगों पर गैंगरेप का आरोप लगाया है। मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा साउथ कोलकाता लॉ कॉलेज का पूर्व छात्र है, उनसे दो मौजूदा छात्रों के साथ मिलकर 25 जून को लॉ छात्रा के साथ गैंगरेप की इस घटना को अंजाम दिया था। कोलकाता पुलिस ने बताया कि मेडिकल जांच में छात्रा के साथ गैंगरेप की पुष्टि हो गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज की प्रथम वर्ष की छात्रा ने शिकायत दर्ज कराई कि 25 जून को कॉलेज के एक पूर्व छात्र और दो पढ़ाई कर रहे सीनियर छात्रों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्क किया। गुरुवार को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था और पीड़ित छात्रा का मेडिकल करवाया गया था। पुलिस ने बताया कि मेडिकल रिपोर्ट में जबरन शारीरिक संबंध बनाने, शरीर पर काटने के निशान और नाखूनों से खरोंचने के सबूत मिले हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मुख्य आरोपी जो कॉलेज का पूर्व छात्र और एक प्रैक्टिसिंग क्रिमिनल लॉयर है उसने दुष्कर्म किया। जबकि अन्य दो कमरे के बाहर पहरा दे रहे थे। मुख्य सरकारी अभियोजक ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के मुताबिक अगर किसी गैंगरेप की घटना में एक व्यक्ति भी दुष्कर्म करता है, लेकिन बाकी लोग उसकी मदद करते हैं या उसके साथ साझा इरादा रखते हैं, तो वे भी समान रूप से दोषी हैं। इसलिए यह गैंगरेप का मामला है, और तीनों इस मामले में आरोपी हैं।

कोलकाता पुलिस कमिश्नर और जॉइंट सीपी (क्राइम) कसबा पुलिस स्टेशन पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने लॉ कॉलेज जाकर मामले की गहराई से जांच की। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि इस तरह की घटनाएं शर्मनाक हैं और दोषियों को सख्त सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जब एक दोस्त अपनी ही दोस्त के साथ अपराध करता है तो पुलिस हर स्कूल या कॉलेज में कैसे तैनात रह सकती है?

इस मामले को लेकर राज्य सरकार की तरफ से भी प्रतिक्रिया आई है। पश्चिम बंगाल की मंत्री शशि पांजा ने कहा कि जैसे ही पुलिस को शिकायत मिली, 12 घंटे के अंदर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने साफ कहा कि राज्य सरकार और पुलिस इस मामले को बहुत गंभीरता से ले रही है और ऐसे मामलों में कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। गैंगरेप की घटना को लेकर सियासी तापमान भी बढ़ गया है। बीजेपी युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने कसबा थाने के बाहर प्रदर्शन करते हुए सड़क पर टायर जलाए। जब पुलिस ने आग बुझाने की

कोशिश की तो पुलिस को बीजेपी कार्यकर्ताओं ने रोका, जिससे झड़प की स्थिति बन गई। इसके बाद पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा और कई बीजेपी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी 2 जुलाई से करेंगे 5 देशों का दौरा, ब्रिक्स में भी होंगे शामिल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 से 9 जुलाई, 2025 तक घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की आधिकारिक विदेश यात्रा पर रहेंगे। यह उनका कार्यकाल का सबसे लंबा विदेश दौरा माना जा रहा है। इस दौरान वह 6-7 जुलाई को ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में आयोजित होने जा रहे

17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। अपनी यात्रा की शुरुआत प्रधानमंत्री घाना से करेंगे, जहां वह 2-3 जुलाई को राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और द्विपक्षीय साझेदारी को बढ़ावा देंगे। इसके बाद 3-4 जुलाई को वह त्रिनिदाद एंड टोबैगो जाएंगे, जहां वह राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मिलकर द्विपक्षीय सहयोग को मजबूती देंगे। प्रधानमंत्री 4-5 जुलाई को अर्जेंटीना पहुंचेंगे और राष्ट्रपति जेवियर माइली से मुलाकात कर कृषि, ऊर्जा, व्यापार और रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा करेंगे। 5-8 जुलाई को पीएम मोदी ब्राजील की राजकीय यात्रा पर रहेंगे और ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होंगे। सम्मेलन के दौरान वे वैश्विक शासन, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य और एआई जैसे मुद्दों पर विचार साझा करेंगे। अंतिम चरण में, प्रधानमंत्री 9 जुलाई को नामीबिया की पहली आधिकारिक यात्रा करेंगे, जहां वह राष्ट्रपति डॉ. नेटुम्बो नंदी-नदैतवा के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और यहां वे संसद को संबोधित भी कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की यह बहुपक्षीय और द्विपक्षीय यात्राएं वैश्विक मंचों पर भारत की भूमिका को और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताई जा रही हैं।

बाबा साहब ने संविधान दिया, पर कांग्रेस-बीजेपी ने उसे नहीं निभाया: मायावती का तीखा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। संविधान को लेकर छिड़ी राष्ट्रीय बहस के बीच बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) प्रमुख मायावती ने रविवार को केंद्र की मोदी सरकार और प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस, दोनों पर तीखा हमला बोला। प्रेस से बात करते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान को इन दोनों ही दलों ने कभी पूरी ईमानदारी से लागू नहीं किया।

मायावती ने कहा, कि बाबा साहब ने भारत को ऐसा संविधान दिया, जो समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए था। लेकिन कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए और अब भाजपा नेतृत्व वाली एनडीए सरकार, दोनों ने इसे केवल राजनीतिक फायदे के लिए इस्तेमाल किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दोनों दलों ने समय-समय पर संविधान के मूल स्वरूप के साथ छेड़छाड़ की है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक अवसरवाद के तहत इन पार्टियों ने संविधान में अनावश्यक संशोधन किए। यह

संविधान की आत्मा पर आघात है।

होसबले के बयान पर भी जताई आपत्ति

इसी दौरान मायावती ने आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबले के हालिया बयान की भी आलोचना की। दरअसल होसबले ने संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी शब्दों की प्रासंगिकता पर राष्ट्रीय बहस की वकालत की थी। मायावती ने इसे संविधान के सिद्धांतों पर हमला करार दिया और कहा, कि जो लोग बाबा साहब के संविधान की आत्मा को नहीं समझते, वही इस तरह की बहस छेड़ते हैं। यह बहुजनों के अधिकारों पर हमला है।

हिंदी विवाद पर फडणवीस का पलटवार बोले-खुद उद्धव सरकार ने मंजूर की थी रिपोर्ट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में हिंदी को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। हालात ये हैं कि उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे ने स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य करने के कथित फैसले के खिलाफ 5 जुलाई को मुंबई में संयुक्त विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। बढ़ते विवाद के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दावा किया है कि जब उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री थे, तब उनकी सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत एक ऐसी समिति की रिपोर्ट को स्वीकार किया था, जिसमें मराठी के साथ-साथ हिंदी और अंग्रेजी को अनिवार्य करने की सिफारिश की गई थी।

फडणवीस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जब एनईपी 2020 लागू की गई थी, तब उद्धव ठाकरे की माहा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार सत्ता में थी। उस समय एक 18 सदस्यीय समिति का गठन किया गया था, जिसने नीति का अध्ययन किया। जून 2021 में इस समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंपी, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया था कि मराठी के साथ हिंदी और अंग्रेजी को

अनिवार्य किया जाए। इस रिपोर्ट को 27 जनवरी 2022 को उद्धव ठाकरे की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में स्वीकार किया गया और इस पर आगे की कार्रवाई भी की गई। उन्होंने सवाल उठाया, क्या इस रिपोर्ट को तैयार करने वाले डॉ. रघुनाथ माशेलकर, भालचंद्र मुंगेकर और सुखदेव थोराट जैसे लोग महाराष्ट्र विरोधी हैं? यह नीति उस समय स्वीकार की गई थी, जब उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री थे। अब वे इसका विरोध क्यों कर रहे हैं? फडणवीस ने यह भी कहा कि हमारी सरकार ने हिंदी को अनिवार्य नहीं किया है, बल्कि यह केवल एक वैकल्पिक भाषा के रूप में शामिल की गई है।

राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने भी ठाकरे भाइयों के विरोध का समर्थन किया है। उन्होंने कहा, प्राथमिक स्तर पर छोटे बच्चों पर अतिरिक्त भाषाओं का बोझ डालना गलत है। नई भाषाओं को कक्षा 5 के बाद शुरू करना चाहिए। मातृभाषा पर प्रारंभिक शिक्षा में ध्यान देना जरूरी है। महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने भी इस मुद्दे को राज्य की सांस्कृतिक पहचान से जोड़ते हुए समर्थन जताया। यह विवाद ऐसे समय में उभरा है, जब मुंबई में नगर निगम चुनाव नजदीक हैं। ठाकरे भाइयों का यह संयुक्त प्रदर्शन मराठी वोट बैंक को एकजुट करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि यह प्रदर्शन उद्धव और राज ठाकरे के बीच 2006 के बाद पहली बार राजनीतिक एकता की ओर इशारा कर सकता है, जब राज ने शिवसेना छोड़कर एमएनएस का गठन किया था। महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री आशीष शेलार ने इस विवाद को गलतफहमी करार देते हुए कहा, मराठी भाषा अनिवार्य है, हिंदी केवल वैकल्पिक है। हम मराठी का पूरे दिल से समर्थन करते हैं। यह बीजेपी की वजह से है कि मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिला। शेलार ने यह भी याद दिलाया कि तीन-भाषा नीति की शुरुआत उद्धव ठाकरे की सरकार के दौरान ही हुई थी। मराठी भाषा मंत्री उदय सामंत ने भी फडणवीस के दावे का समर्थन करते हुए कहा कि एनईपी 2020 के तहत गठित डॉ. रघुनाथ माशेलकर समिति ने मराठी, अंग्रेजी और हिंदी को कक्षा 1 से 12 तक अनिवार्य करने की सिफारिश की थी, जिसे उद्धव ठाकरे की सरकार ने मंजूरी दी थी।

अपने 11 साल के स्वर्णिम कार्यकाल में मोदी सरकार ने 421 बिल पास किए

कुल 1576 पुराने और निरर्थक कानूनों को निरस्त किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में मोदी सरकार ने केंद्र में अपने 11 साल पूरे किए है। इस दौरान सबसे बड़ी पंचायत संसद भी तमाम बदलावों को होकर गुजरी। मोदी सरकार का आगामी रोडमैप क्या है, इस पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बातचीत की।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि मोदी सरकार में कई महत्वपूर्ण संसदीय निर्णय हुए हैं। उदाहरण के लिए रेल और आम बजट को मिलाने और आम बजट को हर साल 1 फरवरी को पेश करने का ऐतिहासिक फैसला हुआ। इसी तरह, जम्मू-कश्मीर में समाज के सभी वर्गों के लिए समान मौके सुनिश्चित करने के लिए अनुच्छेद 370 और उसके तहत राष्ट्रपति के आदेशों के कुछ प्रावधानों को निरस्त किया गया। वहीं पीएम मोदी के भविष्यवादी दृष्टिकोण के चलते देश को सितंबर 2023 में नई संसद मिली, जब संविधान सभा से शुरू हुई 75 वर्षों की संसदीय यात्रा पर एक विशेष सत्र का आयोजन हुआ, जिसमें राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर नीति निर्माण में जन प्रतिनिधियों के रूप में महिलाओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 पारित किया गया। मोदी सरकार ने अपने 11 साल के स्वर्णिम कार्यकाल में अब तक 421 बिल पास किए। वहीं अब तक कुल 1576 पुराने और निरर्थक कानूनों को निरस्त किया।

उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के दौरान भारतीय संसद के लचीलेपन की परीक्षा हुई। तब अनुच्छेद 85 की संवैधानिक अपेक्षाओं को और अत्यावश्यक विधायी कामों को पूरा करने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और गृह मंत्रालय के सभी दिशा-निर्देशों का पालन कर तीन सत्रों का आयोजन हुआ। उस मुश्किल दौर में दूरी से जुड़े प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए लोकसभा और राज्यसभा के सत्र का आयोजन अलग-अलग में समय में सभी सुरक्षा मानदंडों के साथ हुआ।

उन्होंने कहा कि संसदीय कार्य मंत्रालय युवा पीढ़ी में लोकतांत्रिक संस्कार विकसित करने के उद्देश्य से दिल्ली के स्कूलों, केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों, यूनिवर्सिटी कॉलेजों के छात्रों के लिए पारंपरिक रूप से युवा संसद प्रतियोगिताएं आयोजित करता है और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता भी देता है। मोदी सरकार ने 2019 में संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में भारत के राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय युवा संसद योजना के तहत डिजिटल प्लेटफॉर्म की शुरुआत की गई।

बिहार में चुनाव से पहले बीजेपी-कांग्रेस के बीच डिजिटल वॉर शुरु

पटना (एजेंसी)। बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले सियासी हलचल तेज हो रही है। अब राजनीतिक दलों के बीच डिजिटल वॉर बढ़ती जा रही है। कांग्रेस ने एआई आधारित तस्वीर के माध्यम से चुनाव आयोग पर सवाल उठाकर उस जिन्न की संज्ञा दी है, जबकि भारतीय जनता पार्टी ने विपक्ष की चुनावी हार की हताशा करार दिया है।

बिहार यूथ कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक एआई जनित इमेज साझा की है, इसमें चुनाव आयोग को जिन्न के रूप में दिखाया है। चित्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिराग लिए हुए और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उनके बगल में खड़ा दिखाया गया है। जिन्न बना चुनाव आयोग कह रहा है, हुक्म मेरे आका'। साथ ही यूथ कांग्रेस ने टिप्पणी की, अब बिहार में आका का हुक्म ही आखिरी फैसला है...'

इस पर बीजेपी ने कांग्रेस व विपक्ष पर पलटवार कर कहा, 'चुनाव से पहले

जब विपक्ष चुनाव आयोग, मतदान प्रणाली और ईवीएम पर हमले शुरू कर दे, तब माना लीजिए उनकी चुनावी गाड़ी का पहिया पंचर हो चुका है।'

तेजस्वी यादव पर निशाना साधकर भाजपा ने लिखा, '95 चुनाव हार चुके नेता के भरोसे चुनाव यात्रा पर न निकलें, ठीकरा फिर ड्राइवर पर ही फूटेगा।'

बीते सप्ताह कांग्रेस ने नीतीश कुमार को 'बेरोजगारी का बादशाह' बताकर एआई इमेज में उन्हें शाही मुकुट पहने दिखाया था। साथ में संदेश लिखा था 'नीतीश के राज में बर्बाद है बिहार', और उन्हें 'पलायन का राजा' कहा गया।

एक अन्य पोस्ट में कांग्रेस ने भाजपा और जेडीयू के गठबंधन को 'गुंडा राज' और 'लूटबंधन' बताया था। इसमें प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की एक काल्पनिक बातचीत को कार्टून के रूप में दिखाया गया, जिसमें भाजपा की क्रोनोलॉजी को व्यंग्यात्मक तरीके से पेश किया गया।

भारत-बांग्लादेश के बीच 2026 में खत्म हो रही गंगा जल संधि

-नई जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भारत चाहता है नया समझौता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत, बांग्लादेश के साथ गंगा जल संधि में संशोधन को लेकर गंभीर है। पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित करने के बाद भारत इस पर भी विचार कर रहा है। भारत अब अपनी विकास संबंधी नई जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बांग्लादेश के साथ एक नया समझौता करना चाहता है। 1996 में शेख हसीना के कार्यकाल में हुई गंगा जल बंटवारा संधि 2026 में खत्म हो रही है। इस संधि को आपसी सहमति से फिर से लागू किया जाना है, लेकिन अब भारत एक नई संधि चाहता है, जो उसकी वर्तमान विकास जरुरतों को पूरा करे।

पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा के कार्यकाल में भारत और बांग्लादेश के बीच 1996 में गंगा जल बंटवारा संधि हुई थी। यह संधि गंगा नदी के पानी को साझा करने के लिए की गई थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत इस संधि में बदलाव चाहता है। भारत का कहना है कि उसे सिंचाई, बंदरगाह के रखरखाव और बिजली उत्पादन के लिए ज्यादा पानी की जरूरत है। इसलिए, वह मौजूदा संधि में संशोधन चाहता है।

सूत्रों का कहना है कि भारत को हर साल 1 जनवरी से 31 मई के बीच अब पहले से ज्यादा पानी की जरूरत है। मानसून की शुरुआत नहीं होने की वजह से इस समय गंगा नदी में पानी की कमी हो जाती है। इसका असर वाराणसी से पटना की ओर आगे बढ़ते ही दिखना शुरू हो जाता है। जैसे-जैसे और आगे बढ़ते हैं, स्थिति और बुरी होती जाती है। भारत चाहता है कि संधि में बदलाव करके उसे ज्यादा पानी मिले, ताकि गंगा में पानी का बहाव अच्छी स्थिति में बना रहे। कम पानी की वजह से गंगा में बालू जमा होने की समस्या बढ़ रही है। गंगा जल संधि पश्चिम बंगाल में फरक्का बैराज पर गंगा नदी के पानी के बंटवारे को लेकर है।

संधि के मुताबिक 11 मार्च से 11 मई तक भारत और बांग्लादेश दोनों को 10-10 दिनों के लिए 35,000 क्यूसेक पानी मिलता है, लेकिन अब भारत चाहता है कि उसे इस दौरान उसे 30,000 से 35,000 क्यूसेक पानी अतिरिक्त मिले। फरक्का बैराज 1975 में बनाया गया था। इसका उद्देश्य गंगा नदी से हुगली नदी में पानी भेजना था। इससे कोलकाता बंदरगाह में जहाजों की आवाजाही के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होता है, जिससे यह प्रक्रिया आसान है।

जानकारी के मुताबिक पश्चिम बंगाल सरकार भी केंद्र सरकार की मंशा से सहमत और संधि में संशोधन के पक्ष में है। पश्चिम बंगाल सरकार का मानना है कि संधि की वर्तमान व्यवस्था उसकी जरूरतों को पूरा नहीं करती है। गंगा जल संधि में कहा गया था, कि ऊपरी तटवर्ती राज्य, भारत, और निचला तटवर्ती राज्य, बांग्लादेश, फरक्का में गंगा के पानी को साझा करने के लिए सहमत हुए। फरक्का बांध बांग्लादेश सीमा से करीब 10 किलोमीटर दूर भागीरथी नदी पर बना है। फरक्का बैराज

कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट के लिए एक फीडर नहर में 40,000 क्यूसेक पानी भेजने के लिए बनाया गया था। भारत और बांग्लादेश के बीच गंगा नदी के पानी को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। यह संधि इस विवाद को सुलझाने की एक कोशिश थी। अब भारत इस संधि में बदलाव करके भारत अपनी जरूरतों को पूरा करना चाहता है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका ने ग्वाटेमाला और होंडुरास के साथ शरणार्थियों को लेने का समझौता किया

वाशिंगटन, एजेंसी। ग्वाटेमाला और होंडुरास ने अमेरिका के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत, अब ये देश उन लोगों को शरण देंगे, जो पहले अमेरिका में शरण मांगने की सोचते थे। यह जानकारी अमेरिकी गृह सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने दी। वह इस समय मध्य अमेरिका के दौरे पर हैं। क्रिस्टी नोएम ने कहा कि इस समझौते से लोगों को अमेरिका के अलावा किसी और सुरक्षित देश में रहने का मौका मिलेगा। उन्होंने बताया कि अमेरिका इन समझौतों को लागू करवाने के लिए ग्वाटेमाला और होंडुरास पर कई महीनों से दबाव बना रहा था। उन्होंने कहा, अब से होंडुरास और ग्वाटेमाला ऐसे देश होंगे, जो दूसरे देशों से आए लोगों को शरण देंगे और उन्हें शरणार्थी का दर्जा भी देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका कभी नहीं चाहता था कि वह शरणार्थियों के लिए एकमात्र विकल्प हो। जरूरी यह है कि उन्हें किसी भी सुरक्षित जगह शरण मिले, चाहे वह अमेरिका हो या कोई और देश।

जापान में नौ लोगों के हत्यारे को फांसी की सजा

टोक्यो, एजेंसी। जापान के न्याय मंत्रालय ने कहा कि टोक्यो में अपने अपार्टमेंट में नौ लोगों की हत्या और शवों के टुकड़े-टुकड़े करने के मामले में दोषी ठहराए गए एक व्यक्ति को शुक्रवार को फांसी दे दी गई। ट्विटर किलर ताकाहिरो शिराशी को 2017 में नौ लोगों की हत्या के लिए 2020 में मौत की सजा सुनाई गई थी। इनमें से ज्यादातर ने सोशल मीडिया पर आत्महत्या के विचार पोस्ट किए थे। उसे महिला पीड़ितों का यौन शोषण करने का भी दोषी ठहराया गया था। शिराइशी को टोक्यो डिटेंशन हाउस में अत्यंत गोपनीयता के साथ फांसी दी गई। पुलिस ने 2017 में उसके अपार्टमेंट में कोल्ड स्टोरेज केस में आठ महिलाओं और एक पुरुष के शव मिलने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया था।

एआई के प्रभाव को लेकर भारत के साथ काम कर रहा यूनेस्को

पेरिस, एजेंसी। यूनेस्को के सामाजिक एवं मानव विज्ञान क्षेत्र की एआई इकाई के नैतिकता प्रमुख इराकली खोडेली ने कहा कि यूनेस्को तकनीकी नवाचार के साथ सामाजिक और आर्थिक मुद्दों के समाधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभाव पर भारत के साथ काम कर रहा है। भारत को अगले साल की शुरुआत में एआई प्रभाव पर वैश्विक शिखर सम्मेलन की मेजबानी करनी है। उन्होंने कहा कि डिजिटल परिवर्तन के मामले में तथा तकनीकी नवाचार और सही नीति के साथ कुछ सामाजिक और आर्थिक मुद्दों के समाधान के मामले में भारत शेष विश्व के लिए एक चमकता सितारा है। दुनिया इस बारे में जानने के लिए भारत की ओर देख रही है। यह अगले साल के शिखर सम्मेलन का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि एआई के प्रभाव को प्रदर्शित करने के लिए कार्रवाई की जाए। हमें उम्मीद है कि हम भारत सरकार के साथ मिलकर काम करेंगे क्योंकि हम अगले साल की शुरुआत में भारत द्वारा आयोजित एआई प्रभाव पर वैश्विक शिखर सम्मेलन की तैयारी शुरू कर रहे हैं।

क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक 1 जुलाई को

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो 1 जुलाई को वाशिंगटन डीसी में क्वाड देशों- ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका के विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करेंगे। यह जानकारी बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने दी। प्रेस ब्रीफिंग में पिगॉट ने कहा, अगले हफ्ते, विदेश मंत्री रुबियो 1 जुलाई को क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करेंगे। यह बैठक इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को स्वतंत्र, खुला और सुरक्षित बनाने के हमारे लक्ष्य को आगे बढ़ाएगी। यही अमेरिकी नेतृत्व की पहचान है- ताकत, शांति और समृद्धि।

मेक्सिकन राष्ट्रपति ने बैंकों पर यूएस प्रतिबंधों की निंदा की

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने बृहस्पतिवार (स्थानीय समयानुसार) को अमेरिका द्वारा मेक्सिको के तीन बैंकों पर लगाए गए प्रतिबंधों की निंदा की। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने इन बैंकों पर धन शोधन के जो आरोप लगाए हैं, उनके लिए अभी तक कोई सबूत नहीं दिया है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने बुधवार को सीआईबैंको, इंटरकैम बैंको और वेक्टर कासा डी बोल्सा पर प्रतिबंध लगाए। इन पर आरोप है कि इन्होंने मेक्सिकन ड्रग माफिया को करोड़ों डॉलर का धन हस्तांतरण की सुविधा प्रदान की है। लेकिन राष्ट्रपति शिनबाम ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने बार-बार पूछे जाने पर भी ये नहीं बताया कि आखिर क्या सबूत हैं कि इन बैंकों ने कोई गलत काम किया है। उन्होंने कहा, ट्रेजरी विभाग ने कोई सबूत नहीं दिया कि मनी लॉन्ड्रिंग हुई थी। हम किसी को बचा नहीं रहे, लेकिन अगर उन्होंने आरोप लगाए हैं तो उन्हें सबूत भी देने चाहिए।

ओबामा बोले- अमेरिका लोकतंत्र से भटक रहा: ट्रम्प सरकार देश को खोखला कर रही, ट्रेड वॉर से खतरे में देश की गरिमा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने पिछले हफ्ते अमेरिकी राज्य कनेक्टिकट के हार्टफोर्ड शहर में एक कार्यक्रम में भाषण दिया। प्रसिद्ध इतिहासकार हीदर कॉक्स के साथ चर्चा में ओबामा ने देश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चिंता जताई और युवाओं से देश को बचाने की अपील की। ओबामा ने ट्रम्प सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि जो लोग आज अमेरिका की सरकार चला रहे हैं, वे लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जरूरी है कि सरकार के बाहर और अंदर दोनों जगह से गलत चीजों का विरोध हो। लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है। ओबामा ने कहा कि व्यापारिक सौदों में डराया जा रहा है, जो केवल आर्थिक नहीं बल्कि नैतिक रूप से भी खतरनाक है। उन्होंने अपने कार्यकाल की तुलना करते हुए कहा कि चीन की बढ़ती ताकत के बावजूद उन्होंने टैरिफ जैसे उपायों का बेजा इस्तेमाल नहीं किया था, क्योंकि यह अमेरिका की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने ट्रेड वॉर को गलत बताते हुए कहा कि इससे देश की गरिमा खतरे में है।

हंगरी जैसे देशों के रास्ते पर बढ़ रहा अमेरिका : ओबामा ने अमेरिका की तुलना हंगरी जैसे देशों से की, जहां चुनाव तो होते हैं, लेकिन वहां सच में लोगों की आवाज की कद्र नहीं होती और नेता मनमानी करते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अमेरिका भी अब ऐसे ही रास्ते पर बढ़ रहा है, जहां कानून और लोकतंत्र की असली भावना कमजोर हो रही है। ओबामा ने चेतावनी दी कि अमेरिका में भी हालात उस दिशा में बढ़ते दिख रहे हैं। ओबामा ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव का उदाहरण दिया, जिसमें बाइडेन ने जीत हासिल की थी, लेकिन हारने वाले डोनाल्ड ट्रम्प ने धोखाधड़ी के झूठे आरोप लगाए। ओबामा ने पुतिन और केजीबी का उदाहरण दिया ओबामा ने इंटरव्यू में कहा कि सत्ता में बैठे लोग अक्सर उस माहौल का फायदा उठाते हैं, जहां लोगों को यह पता ही नहीं होता कि सच क्या है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन और उनके केजीबी (जासूसी एजेंसी) की एक कहावत है, जिसे अमेरिका में ट्रम्प के सलाहकार स्टीव बैनन ने भी अपनाया। इस कहावत का मतलब है कि अगर आप चाहते हैं कि लोगों का दिमाग उलझ जाए, तो उन्हें सच्चाई समझाने की जरूरत नहीं है। उस माहौल में इतना ज्यादा झूठ और बकवास भर दो कि लोगों को लगे, अब किसी बात पर यकीन करना ही फिजूल है।

जब लोग सच से हार मान लें, तभी तानाशाही पनपती है : ओबामा ने आगे कहा- इससे फर्क नहीं पड़ता कि कोई नेता बार-बार झूठ बोल रहा है, या कोई राष्ट्रपति यह दावा कर रहा है कि उसने चुनाव नहीं हारा, बल्कि जीत हासिल की है, और चुनाव में गड़बड़ी हुई थी। लेकिन जब वही नेता चुनाव जीत जाता है, तो वह गड़बड़ी अचानक गायब हो जाती है। झूठ पर कौन यकीन करता है, ये इतना मायने नहीं रखता, असली समस्या तब है जब लोग इन सबसे हार मानकर कहने लगते हैं, अब तो कुछ फर्क ही नहीं पड़ता। जब लोग सच से हार मान लेते हैं, तभी तानाशाही पनपती है। ओबामा ने आगे कहा कि अमेरिका की एक बड़ी राजनीतिक पार्टी (रिपब्लिकन पार्टी) में आज यही हो रहा है। कई नेता जानते हैं कि जो बातें हो रही हैं वो सच नहीं हैं, लेकिन फिर भी वे ऐसा नाटक करते हैं जैसे सबकुछ ठीक और सच हो। यह बहुत खतरनाक स्थिति है।

ओबामा ने लोगों से कानून के पक्ष में खड़े होने की अपील की : ओबामा ने कहा कि अमेरिकी संविधान में लोकतांत्रिक नियम-कायदे भले ही शुरुआत में अधूरे थे, लेकिन समय के साथ इन्हें मजबूत किया गया। इससे नागरिकों को बुनियादी अधिकार मिले, जैसे कि बिना कानूनी प्रक्रिया के किसी को सड़क से उठाकर किसी और देश नहीं ले जाया जा सकता। यह कोई राजनीतिक विचार नहीं था, बल्कि एक साझा अमेरिकी मूल्य था। ओबामा ने कहा कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से अब तक का यह दौर अमेरिकी लोकतंत्र के लिए सबसे कठिन समय है। अमेरिकी सरकार का नेतृत्व ऐसे हाथों में है जिन्हें कानून के शासन, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और प्रेस की आजादी में आस्था नहीं है। यह सत्ता संविधान की शपथ लेकर भी उस पर आस्था नहीं दिखा रही। ओबामा ने कहा कि आज जरूरत है कि सिर्फ आम लोग ही नहीं, बल्कि सरकार में मौजूद अधिकारी, चाहे वे किसी भी पार्टी से हों, कानून के पक्ष में खड़े हों और कहें, नहीं, यह गलत है। कानून यही कहता है और हमें उसका पालन करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकारी तंत्र में ऐसे लोग न हों, तो लोकतंत्र की दिशा बिगड़ सकती है। लोकतंत्र अपने आप नहीं चलता। इसके लिए लोगों की जरूरत होती है। जज, न्याय विभाग के अफसर, सरकार के अंदर ऐसे लोग जो संविधान की रक्षा की शपथ को गंभीरता से लें, ओबामा ने कहा। अगर ऐसा नहीं होता, तो देश धीरे-धीरे तानाशाही जैसी व्यवस्था की ओर बढ़ सकता है। कार्यक्रम के अंत में जब उनसे पूछा गया कि वह युवाओं को क्या संदेश देना चाहते हैं, तो ओबामा ने कहा कि वह अब भी आशावादी हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि गलत चीजों के खिलाफ गुस्सा जरूरी है, लेकिन बदलाव लाने के लिए जोड़ने वाली सोच जरूरी है। उन्होंने कहा कि आपको उन लोगों से भी बातचीत करनी होगी जो आपसे हर बात पर सहमत नहीं हैं, लेकिन कुछ बातों पर हो सकते हैं।

मधेसी पार्टी जसपा ने वापस लिया समर्थन, उच्च सदन में अल्पमत में आई ओली सरकार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में प्रमुख मधेसी पार्टी जनता समाजवादी पार्टी (जसपा) नेपाल ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन से औपचारिक रूप से समर्थन वापस ले लिया है। इससे ओली सरकार उच्च सदन नेशनल असेंबली में अल्पमत में आ गई है।

हालांकि उपेंद्र यादव के नेतृत्व वाली जसपा के समर्थन वापस लेने से गठबंधन सरकार पर तत्काल कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि उसके पास प्रतिनिधि सभा में पर्याप्त संख्या है। ओली की पार्टी ने कहा कि उसे जसपा नेपाल के समर्थन वापस लेने का कोई कारण नहीं दिखता है। जसपा नेपाल ने 23 और 24 जून को हुई पार्टी की कार्यकारी परिषद की बैठक के दौरान सरकार से समर्थन वापस लेने का निर्णय लिया था। जसपा नेपाल के उपाध्यक्ष शिव लाल थापा ने बताया कि पार्टी अब कुछ दिनों में संसदीय दल की बैठक बुलाने के बाद संसद के अध्यक्ष को आधिकारिक रूप से अपना निर्णय बताएगी। उन्होंने बताया कि पिछले साल नेपाली कांग्रेस के समर्थन से सरकार का नेतृत्व संभालते समय ओली ने भ्रष्टाचार समाप्त करने, सुशासन लाने, आर्थिक प्रगति करने और संविधान में संशोधन करने का वादा किया था। हमने इन चार एजेंडों पर सरकार को समर्थन दिया था। लेकिन एक साल बाद भी हमें नहीं लगता कि सरकार को इन मुद्दों की कोई चिंता है। इसलिए हमने ओली के नेतृत्व वाली सरकार से समर्थन वापस लेने का फैसला किया है। नेशनल असेंबली में 18 सदस्यों के साथ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओवादी सेंटर) सबसे बड़ी पार्टी है। इसके बाद 16 सदस्यों के साथ नेपाली कांग्रेस है जबकि ओली की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के 11 सदस्य हैं और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (एकीकृत समाजवादी) के पास आठ सीटें हैं।

ईरान पर अमेरिकी हमलों के बाद परमाणु अप्रसार संधि को लेकर फ्रांस चिंतित, मैक्रों ने ट्रंप से कही ये बात

ब्रुसेल्स, एजेंसी। ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों के बाद परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) को लेकर तमाम कयास लगाए जा रहे हैं। इस मुद्दे पर फ्रांस की चिंता बढ़ गई है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का कहना है कि अमेरिकी हमलों से ईरान को नुकसान हुआ है। अब साफ है कि ईरान परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) से खुद को बाहर कर लेगा। मैक्रों का कहना है कि यह स्थिति सबसे खराब होगी। इस मामले को लेकर मैक्रों ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से बात भी की है। मैक्रों ने कहा कि अमेरिकी हमलों का नतीजा यह होगा कि ईरान परमाणु अप्रसार संधि से बाहर निकल जाएगा। इसलिए यह एक भटकाव और सामूहिक रूप से कमजोर हो जाएगा। हमारी कोशिश है कि हम संधि को कायम रखने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांचों सदस्य से बात करेंगे। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप से बात की और कहा कि हमले के बाद हमने तेहरान से संपर्क किए हैं। हमें उम्मीद है कि हमारे विचार समान होंगे। हमारा उद्देश्य यह है कि ईरान द्वारा परमाणु निर्माण कार्य पुनः शुरू न किया जाए। ईरान ने 1950 के दशक के अंत में अमेरिका की तकनीकी सहायता से अपने परमाणु कार्यक्रम की नींव रखी। उस समय शाह मोहम्मद रजा पहलवी ईरान के शासक थे।

बांग्लादेश में मंदिर पर चला बुलडोजर, भारत ने जताई नाराजगी; कहा- सुरक्षा देना सरकार की जिम्मेदारी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में बने एक अस्थायी दुर्गा मंदिर को ढहाने को लेकर भारत ने कड़ी नाराजगी जताई है। भारत ने साफ कहा है कि बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को मंदिर को सुरक्षा देनी चाहिए थी, लेकिन उसने इसे अवैध कब्जा बताकर गिरा दिया। इस घटना में मूर्ति को भी नुकसान पहुंचा है। दिल्ली में साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि हमें जानकारी मिली है कि कुछ चरमपंथी ढाका के खुलीखेत में बने दुर्गा मंदिर को गिराने की मांग कर रहे थे। लेकिन अंतरिम सरकार ने मंदिर की सुरक्षा करने के बजाय इसे अवैध कब्जा बता दिया और आज मंदिर ढहा दिया गया।

मूर्ति को भी नुकसान, भारत ने जताई चिंता : जयसवाल ने आगे कहा कि इस कार्रवाई के दौरान मंदिर में स्थापित मूर्ति को भी नुकसान पहुंचा। उन्होंने कहा कि हम इस बात से बेहद दुखी हैं कि बांग्लादेश में ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं। अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी है कि वह हिंदू समुदाय, उनकी संपत्ति और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करे।

रेलवे जमीन पर बना था अस्थायी मंदिर : दरअसल, बांग्लादेश रेलवे प्रशासन ने गुरुवार को ढाका के खुलीखेत इलाके में बने अस्थायी दुर्गा मंदिर को गिरा दिया। प्रशासन का दावा है कि मंदिर रेलवे की जमीन पर अवैध रूप से बनाया गया था। मंदिर गिराने की यह कार्रवाई ऐसे वक्त हुई जब तीन दिन पहले ही भीड़ ने मंदिर हटाने की मांग की थी।

स्थानीय लोगों और संगठनों ने की निंदा : मंदिर कमेटी और अल्पसंख्यक संगठनों ने मंदिर गिराने की निंदा की है। मंदिर कमेटी के सचिव अर्जुन रॉय ने बताया कि उन्होंने पिछले साल दुर्गा पूजा के लिए रेलवे से अस्थायी अनुमति ली थी, लेकिन इस बार बिना कोई नोटिस दिए मंदिर गिरा दिया गया। उन्होंने कहा कि हमें बहुत दुख है कि प्रशासन ने बिना सूचना के कार्रवाई कर दी।

प्रशासन ने बताया गैरकानूनी कब्जा : ढाका रेलवे डिवीजन के संपत्ति अधिकारी मोहम्मद नासिर उद्दीन महमूद ने दावा किया कि रेलवे की जमीन पर अवैध निर्माण किया गया था। उन्होंने कहा कि हमें सोमवार को जानकारी मिली कि वहां एक अस्थायी मंदिर बनाया गया है।

अमेरिका ने दोबारा हमला बोला तो ईरान उसके सैन्य ठिकाने पर हमला करेंगे: खामनेई

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई ने कहा कि ईरान भविष्य में किसी भी अमेरिकी हमले का जवाब पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला करके देगा। उन्होंने यह बात ईरान और इस्राइल के बीच युद्ध विराम के बाद पहली बार टेलीविजन पर दिए गए अपने बयान में कही। इससे पहले बीते दिन खामनेई ने कहा था, ;उनके देश ने अमेरिका के चेहरे पर तमाचा मारा है। उनकी यह टिप्पणी इसलिए अहम है, क्योंकि 12 दिनों के वार-पलटवार के बाद इस्राइल के साथ संघर्षविराम हुआ। इससे पहले अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया। इसके बाद पहली बार गुरुवार को खामनेई का संदेश देश के सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित हुआ। इस्राइल के साथ जारी संघर्ष के बीच अमेरिकी हस्तक्षेप को लेकर खामनेई ने कहा था, अमेरिका ने युद्ध में केवल इसलिए हस्तक्षेप किया, क्योंकि उसे लगा कि अगर हस्तक्षेप नहीं किया गया, तो इस्राइल में यहूदी शासन पूरी तरह से नष्ट हो

जाएगा। खामनेई ने कहा कि अमेरिका को इस युद्ध से कोई लाभ नहीं हुआ। उन्होंने यह भी कहा था कि इस्लामी गणराज्य विजयी रहा। बदले में ईरान ने अमेरिका के चेहरे पर तमाचा मारा। उन्होंने कथित तौर पर सोमवार को कतर में अमेरिकी सैन्य अड्डे- अल उदीद पर ईरानी मिसाइल हमले की तरफ संकेत दिया। खामनेई ने चेतावनी दी और कहा कि ऐसी कार्रवाई भविष्य में भी दोहराई जा सकती है। टकराव शुरू होने के बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं देखे गए थे खामनेई 86 वर्षीय खामनेई बीते 13 जून को इस्राइल के साथ टकराव शुरू होने के बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं देखे गए थे। इस्राइली सेना ने ईरान के परमाणु ठिकानों, प्रमुख सैन्य कमांडरों और वैज्ञानिकों को निशाना बनाया था। इसके बाद खामनेई गुप्त स्थान पर चले गए थे। सीजफायर होने के दो दिन बाद गुरुवार को देश की जनता को संबोधित करने सामने आए खामनेई भूरे रंग के साधारण परदों के सामने बैठकर संदेश देते दिखाई दिए। उन्होंने 19 जून को भी ऐसा ही किया था। बीते 22 जून को अमेरिकी सेना ने ईरान पर हमले के लिए बंकर-बस्टर बमों का इस्तेमाल किया था। तीन परमाणु ठिकानों को निशाना बनाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अगले ही दिन कहा था कि ईरान ने कतर में उनके सैन्य अड्डे पर पलटवार करते हुए अपनी भड़ास निकाल ली है। अमेरिका ने ईरान के 14 में 13 मिसाइल नाकाम कर दिए। 12 दिनों तक चले मिसाइलों के ताबड़तोड़ हमलों के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बीते 24 जून को कहा कि इस्राइल और ईरान के बीच युद्धविराम को लेकर सहमति बन गई है।

ट्रंप की बेटी से लेकर बिल गेट्स तक, बेजोस की शादी में सितारों ने लगाए चार चांद; खर्च पर उठे सवाल

वेनिस, एजेंसी। दुनिया के चौथे सबसे अमीर व्यक्ति और अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस ने पत्रकार लॉरेन सांचेज से शादी करने के लिए इटली के खूबसूरत शहर वेनिस को चुना है। इस शादी को सदी की सबसे बड़ी शादी कहा जा रहा है। वेनिस में तीन दिनों तक चलने वाले इस भव्य समारोह की शुरुआत गुरुवार को हुई, जहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। शादी में शामिल होने के लिए दुनियाभर से करीब 200 से 250 हाई-प्रोफाइल मेहमान पहुंचे हैं। इनमें बिल गेट्स, ओपरा विन्फ्रे, ऑरलैंडो ब्लूम, जॉर्डन की क्वीन, क्रिस जेनर, किम और क्लोई कार्डेशियन जैसे बड़े नाम शामिल हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका और दामाद जेरेड कुश्नर पहले ही शहर में पहुंच गए हैं और समय का आनंद लेते हुए वो लोग खरीदारी कर रहे हैं। दरअसल , इस शादी का जश्न एक दिन नहीं बल्कि 3 दिन तक चलेगा।

शादी पर विरोध भी जारी : इस आलीशान समारोह को लेकर स्थानीय लोगों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं के बीच नाराजगी भी देखी जा रही है। प्रदर्शनकारियों ने इसे वेनिस को अमीरों के लिए बेचने की मिसाल बताया है। गुरुवार को एक प्रदर्शनकारी ने सेंट मार्क स्क्वायर पर चढ़कर दुनिया को 1त्न अमीर लोग बर्बाद कर रहे हैं लिखी हुई बैनर लहराया। गुरुवार शाम को वेनिस के ऐतिहासिक मदोन्ना डेलऑर्टो चर्च में पहला कार्यक्रम आयोजित

हुआ। यह चर्च अपनी 16वीं सदी की प्रसिद्ध पेंटिंग्स के लिए जाना जाता है। स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा के चलते शाम 4:30 बजे से आधी रात तक इलाके में लोगों और नावों की आवाजाही पर रोक लगा दी। शानदार होटल में ठहरे बेजोस और सांचेज बेजोस और सांचेज हेलीकॉप्टर से बुधवार को वेनिस पहुंचे और ग्रैंड कैनाल के किनारे स्थित आलीशान अमान होटल में रुके। यहां एक कमरे का किराया करीब 4,000 यूरो यानी लगभग 4.68 लाख रुपये प्रति रात है। शुक्रवार को सेंट मार्क स्क्वायर के सामने स्थित सैन जॉर्जियो द्वीप पर शादी का मुख्य कार्यक्रम होगा। हालांकि, इसे केवल प्रतीकात्मक शादी बताया जा रहा है। जहां कुछ लोग इस आयोजन को वेनिस की गरिमा के खिलाफ बता रहे हैं, वहीं कई स्थानीय लोग इसे शहर की अर्थव्यवस्था के लिए फायदेमंद मानते हैं। होटल मालिकों और टूर गाइड्स का कहना है कि अमीर मेहमानों के खर्च से शहर को फायदा होता है।

ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई को मारना चाहता था इजराइल

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने गुरुवार को कहा कि इजराइल ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को खत्म करना चाहता था। काट्ज ने चैनल 13 के साथ एक इंटरव्यू में कहा, अगर खामेनेई हमारी पहुंच में होते, तो हम उन्हें मार गिराते। काट्ज ने कहा, इजराइल खामेनेई को खत्म करना चाहता था, लेकिन ऐसा करने का कोई मौका नहीं था। काट्ज से जब पूछा गया कि क्या इजराइल ने अमेरिका से इसकी इजाजत मांगी थी, उन्होंने जवाब दिया, हमें इन चीजों के लिए किसी की इजाजत की जरूरत नहीं है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बाद अब अमेरिका के डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ ने दोहराया है कि 22 जून को उसके हमले से ईरान के न्यूक्लियर ठिकानें पूरी तरह से तबाह हो गए। हेगसेथ ने जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन के साथ डिफेंस डिपार्टमेंट के हेडक्वार्टर पेंटागन में ईरान हमले पर मीडिया को संबोधित किया। हेगसेथ ने कहा, ईरान पर अमेरिका का हमला ऐतिहासिक रूप से सफल हमला था। हेगसेथ ने उस खुफिया रिपोर्ट की जानकारी देने के लिए पत्रकारों को फटकार लगाई, जिसमें कहा गया था कि ईरान का न्यूक्लियर प्रोग्राम को हमलों से मामूली नुकसान पहुंचा है। इजराइली सेना बोली- ईरान के खिलाफ सभी टारगेट हासिल किए इजराइली सेना ने कहा है कि उसने ईरान के साथ 12 दिनों तक चले संघर्ष में सभी टारगेट हासिल किए हैं। सेना ने इसे ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया था। सेना ने इस ऑपरेशन

को साहसी, सटीक और सफल बताया है। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि, 12 दिनों के भीतर हमने लक्ष्य पूरे किए और ईरान के अंदर गहराई तक हमला किया। इससे ईरान का सैन्य परमाणु कार्यक्रम, बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता और इजराइल के खिलाफ साजिश रचने वाले प्रमुख लोगों को खत्म कर दिया गया। इजराइल मंत्री बोले- खतरा लगा तो फिर ईरान पर हमला करेंगे इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने चेतावनी दी है कि अगर इजराइल को ईरान से कोई खतरा महसूस हुआ, तो वह उस पर एक बार फिर हमला करेगा। उन्होंने कहा कि इस बार हमला गाजा या लेबनान से सौ गुना ज्यादा बड़ा होगा। अमेरिकी विदेश मंत्री ने इजराइल-ईरान सीजफायर पर पाकिस्तान पीएम से बात की अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने इजराइल-ईरान सीजफायर पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से बात की है। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक आधिकारिक बयान में इसकी जानकारी दी है। इसमें क्षेत्रीय स्थिरता और शांति बनाए रखने के लिए कूटनीतिक तरीकों पर चर्चा हुई। इससे पहले पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से मुलाकात की थी। ट्रम्प ने बैठक के दौरान कहा था कि ईरान को लेकर पाकिस्तान की समझ बाकी देशों से बेहतर है। ईरान पर हमलों को लेकर अमेरिकी सीनेट सदस्यों को ब्रीफिंग दी गई ईरान की तीन परमाणु साइटों पर अमेरिकी हमलों को लेकर गुरुवार को सीनेट के सदस्यों को ब्रीफिंग दी गई। यह ब्रीफिंग बंद कमरे में हुई। यह गोपनीय ब्रीफिंग सीआईए डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ, विदेश मंत्री मार्को रूबियो, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ के प्रमुख जनरल डैन केन ने दी।

आपातकाल लगाकर कांग्रेस ने की लोकतंत्र और संविधान की निर्मम हत्या की–मनोहर लाल

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि 25 जून 1975 की रात देश के लोकतंत्र पर सबसे बड़ा हमला हुआ। उस रात सत्ता की लालसा में कांग्रेस ने भारत के संविधान और लोकतंत्र की निर्मम हत्या कर दी। आपातकाल का वो काला अध्याय आज भी लोकतंत्र प्रेमियों की रूह को कंपा देता है। प्रेस पर सेंसरशिप, नागरिक अधिकारों का हनन, लाखों गिरफ्तारियाँ और अत्याचार यह सब संविधान की मूल आत्मा के खिलाफ था। फरीदाबाद के सेक्टर-12 कन्वेंशन सेंटर में संविधान हत्या दिवस 2025 संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल मुख्य वक्ता और पलवल के पूर्व विधायक दीपक मंगला सह वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। 25 जून 1975 को लगे आपातकाल में देशवासियों ने जो पीड़ा और यातना सही, उसे नई पीढ़ी जान सके, इसी उद्देश्य से 'संविधान हत्या दिवस 2025' आपातकाल का काला अध्याय पर एक प्रदर्शनी का आयोजन कन्वेंशन हॉल, सैक्टर-12 में किया गया। केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। संगोष्ठी के दौरान 'संविधान हत्या दिवस 2025' आपातकाल का काला अध्याय इस पर आधारित एक डाक्यूमेंट्री भी दिखाई गई। इस अवसर पर आपातकाल के दौरान मीसा के तहत बंदी बनाए गए

एवं यातना सहने करने वाले सेनानी व उनके परिवार के सदस्य मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने संगोष्ठी में कहा कि कांग्रेस सरकार ने आरएसएस, जनसंघ, एबीवीपी और कई अन्य संगठनों पर प्रतिबंध लगाकर यह सिद्ध कर दिया कि वह किसी भी विरोधी स्वर को बर्दाश्त नहीं कर सकती। आपातकाल के दौरान विरोधी पार्टी के नेताओं को जेलों में मानसिक और शारीरिक यातनाएं दी गईं, महिला कैदियों के साथ भी अमानवीय व्यवहार हुआ। श्री मनोहर लाल ने कहा कि 1947 में गुलामी की बेड़ियों से आजाद होने के बाद देश में एक लोकतान्त्रिक सरकार की जरुरत थी जो जनता के हित में काम करें, आजादी के बाद गांधी जी ने कांग्रेस को सरकार न बनाने की सलाह दी थी। लेकिन, कांग्रेस के लोग सत्तालोलुप थे। 1967 में पहली बार विपक्षी पार्टियों ने सरकार बनानी शुरू हुई। कांग्रेस ने 1970 में गरीबी हटाओ का झूठ नारा देकर सत्ता हासिल की। इंदिरा गांधी ने बोगस वोट से जीत हासिल की। इंदिरा गाँधी पर कोर्ट ने छह साल के इलेक्शन न लडने का प्रतिबंध लगा दिया लेकिन, इंदिरा गांधी पर सत्तालोलुप हावी था। सत्ता के लोभ के कारण इंदिरा गाँधी ने आपातकाल लगाकर लोकतंत्र और संविधान की हत्या की। श्री मनोहर लाल ने कहा कि जिन्होंने आपातकाल का दंश झेला, वे पूज्यनीय हैं। आपातकाल के दौरान भारत माता की जय बोलने वाले को जेल में डाला गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने लोकतंत्र बचाने में बड़ी भूमिका निभाई और भूमिगत आंदोलन शुरू किया। प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया को भंग कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी उस समय साधारण कार्यकर्ता हुआ करते थे और उनके जैसे लाखों समर्पित स्वयंसेवकों ने रातों-रात रेलों में पर्चे बांटे, संदेश पहुंचाए और कांग्रेस की सच्चाई हर गांव और गली तक पहुंचाई। इमरजेंसी हटी और कांगेस की बुरी हार हुई। जनता जान गई कि लोकतंत्र में वोट की ताकत क्या होती है और कांग्रेस को भी हराया जा सकता है। इमरजेंसी के बाद जनता पार्टी की सरकार बनी लेकिन सरकार ज्यादा नहीं चल पाई, जनसंघ जनता पार्टी से अलग हो गया। 1980 में भारतीय जनता पार्टी बनी तब अटल बिहारी वाजपेयी जी ने कहा था 'अँधेरा छटेगा, सूरज उगेगा और कमल खिलेगा'। 1984 में भाजपा को 2 सीटों पर जीत मिली लेकिन 2014 में भाजपा ने देश में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई और आज देश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है, हरियाणा में भी 3 बार भाजपा की सरकार बनी है। इस संगोष्ठी में विधायक मूलचंद शर्मा, धनेश अदलखा, सतीश फागना महापौर प्रवीण जोशी, संजय अरोड़ा जी, जिला प्रभारी नरेन्द्र वत्स, जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल, राष्ट्रीय परिषद् सदस्य संदीप जोशी, मुख्यमंत्री के राजनैतिक सचिव अजय गौड़, पूर्व शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा, पूर्व विधायक नरेन्द्र गुप्ता, पूर्व महापौर सुमन बाला, पूर्व वरिष्ठ उप महापौर देवेन्द्र चौधरी, पूर्व जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, राजकुमार वोहरा, नीरा तोमर, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार राजीव जेटली, जिला महामंत्री सुरेन्द्र जांगड़ा, मनोज वशिष्ठ, पूर्व महामंत्री मूलचंद मित्तल, आर. एन. सिंह, सहित भाजपा के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता, उद्योगपति, धार्मिक सामाजिक संस्थाओं के सदस्य, फरीदाबाद के वरिष्ठ बुद्धिजीवी एवं प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

फरीदाबाद में एलिवेटेड पुल के आड़े आ रहे 15 अवैध निर्माण हटाए

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ में मोहना मार्ग पर बनाए जा रहे एलिवेटेड पुल को लेकर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के दस्ता ने गुरुवार को अर्थमूवर से 15 अतिक्रमण तोड़े। यह कार्रवाई अस्पताल रोड से शुरू होकर मोहना मार्ग तक की गई। इस दौरान ड्यूटी मजिस्ट्रेट विभाग के उपमंडल अधिकारी विकास वर्मा थे। थाना आदर्श नगर की पुलिस टीम मौजूद थी। मोहना रोड पर पीडब्ल्यूडी सेक्टर-64 से लेकर दशहरा मैदान तक एलिवेटेड पुल बना रही है। इस पुल को बनाने में विभाग को पंजाबी धर्मशाला से लेकर आकाश सिनेमा तक दुकानदारों द्वारा पीडब्ल्यूडी की भूमि पर किए हुए अतिक्रमण से बाधा आ रही है। ऐसे 80 दुकानदारों की विभाग ने सूची तैयार की है। विभाग ने 15 दुकानदारों को नोटिस दिए थे। इन नोटिसों के बाद विभाग के दस्ता ने बुधवार को तोड़फ़ोड़ शुरू कर दी। अस्पताल रोड पर कैलाश चंद शर्मा, अमित, विजय और इंद्र भाटिया की

फैक्ट्री शेड तोड़े। इस मौके पर इंद्र भाटिया के बेटा पवन भाटिया का कहना था कि उन्हें यह भूमि नगर निगम ने 1971 में अलाट की थी। निगम हमसे पानी, सीवर के चार्ज वसूल करता रहा। निगम ने इस भूमि को कभी भी अपने रिकॉर्ड में दर्ज नहीं किया। निगम का कहना है कि जो भूमि भाटिया, कैलाश चंद शर्मा को दी हुई है उसका 156 नंबर खसरा है और जहां पर लाइब्रेरी मार्केट बनाई गई है वह खसरा नंबर 184 है। खसरा 156 लोक निर्माण विभाग का है और खसरा नंबर-184 नगर निगम का है। भाटिया का कहना है कि उन्होंने पीडब्ल्यूडी को सारे कागज दिखाए, लेकिन उन्होंने कोई सुनवाई नहीं की। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पहले उन्हें इस भूमि की आवश्यकता नहीं थी। अब इस भूमि की आवश्यकता है, इसलिए खाली करा रहे हैं। विभाग के दस्ते ने तोड़फ़ोड़ शुरू करने से दो घंटे पहले कहा कि अपना सामान हटा लो, वह तोड़फ़ोड़ करने वाले हैं। जबकि उन्होंने दो दिन पहले ही विभाग से दो दिन का और समय दिए जाने की मांग की थी। लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता प्रकाश लाल का कहना है कि हमने उन सभी दुकानदारों के अतिक्रमण तोडने् के लिए कहा है, जिनको नोटिस दिए हुए थे। जिन दुकानदारों को अभी तक नोटिस नहीं मिले हैं, उन्हें भी नोटिस दिए जाएंगे। जिनकी भी दुकानों पर निशान लगे हुए उन सभी के निर्माणों को तोड़ा जाएगा। बिना तोड़े एलिवेटेड पुल का निर्माण संभव नहीं है।

ओमवीर संगठन सचिव व शैलेश नगर निगम कर्मचारी यूनियन गुरुग्राम के निर्विरोध सह सचिव निर्वाचित

फरीदाबाद की आवाज

फरीदाबाद। नगरपालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा की इकाई नगर निगम कर्मचारी यूनियन गुरुग्राम के 11 जुलाई को मतदान द्वारा होने वाले चुनाव प्रक्रिया के अनुसार बीते 24 जून को 21 पदों पर चुनाव लडने् के लिए प्रत्याशियों द्वारा भरे गए नामांकन पत्रों की जांच के बाद आज नगरपालिका कर्मचारी संघ, हरियाणा के राज्य प्रधान व चुनाव अधिकारी नरेश कुमार शास्त्री तथा संघ के उप महासचिव व उप चुनाव अधिकारी सुनील चिंडालिया ने नामांकन पत्रों की जांच करते हुए बसंत कुमार के पैनल में शामिल संगठन सचिव पद के उम्मीदवार चंद्र प्रकाश व सह सचिव

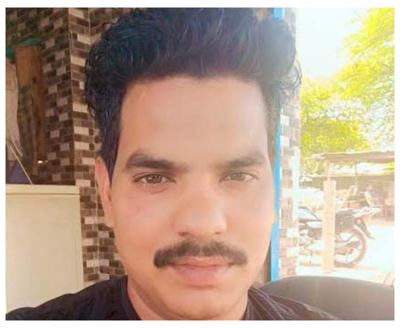

पद के उम्मीदवार सुरेंद्र के नामांकन पत्र को संघ के नियम एवं शर्तों को पुरा न करने पर रद्द कर दिया है। उनके स्थान पर उनके प्रति द्वंद्वि ओमवीर पुत्र पन्नालाल संगठन सचिव व सह सचिव शैलेश पुत्र महावीर को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया है। नामांकन जांच के दौरान सुरेश पुत्र रतन सिंह द्वारा प्रधान पद व अन्य पदों के लिए भरे गए नामांकन पत्र भी संघ के नियम एवं शर्तों को पूरा ने करने पर रद्द कर दिए गए हैं। अब 11 जुलाई को मतदान द्वारा होने वाले चुनाव में बसंत कुमार के पैनल एवं कैलाश कुमार के पैनल में शामिल19 पदों के लिए मतदान होगा। इसके अतिरिक्त प्रधान पद के लिए राजू भी प्रत्याशी होंगे गौरतलाप है कि राजू द्वारा केवल प्रधान पद के लिए नामांकन भरा गया है, अन्य 20 पदों पर उसके पैनल में किसी भी उमीदवार का नाम उसने नहीं दिया है। संघ के चुनावी कार्यक्रम के अनुसार कल 27 जून को सभी प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह वितरण किए जाएंगे। संघ राज्य प्रधान व चुनाव अधिकारी नरेश कुमार शास्त्री ने बताया कि चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करवाने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर निगम प्रशासन से संघ द्वारा मदद के लिए निवेदन किया गया है। श्री शास्त्री ने चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के लिए नगर निगम के सभी कर्मचारी भाई बहनों से भी अपील की है। शास्त्री ने सभी कर्मचारियों से अधिक से अधिक मतदान करने का भी आह्वान किया है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक दिनेश शर्मा द्वारा स्वास्तिका क्रिएशन, 19 डीएसआईडीसी शेड, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से मुद्रित करवाकर मुख्य कार्यालय 19 डीएसआईडीसी शेड, स्कीम-3, ओखला फेस-II, नई दिल्ली-110020 से प्रकाशित किया।
पीआरबी एक्ट के अंतर्गत रचनाओं के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्यायक्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। फोन : 011-26386221 मो. : 9810635211 DCP Licencing No. F.2 (F-10) Press/2017 RNI No. - DELHIN/2017/76338